दैनिक
लोकप्रदेश
RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-32 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 10 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर की डेडलाइन एक सप्ताह बढ़ाई
बंगाल सरकार और डीजीपी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करा रहा है। मतदाता सूची से जुड़ा यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इस मामले में अहम दिशा-निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने का भी निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (स्ङ्कक्र) की डेडलाइन एक सप्ताह और बढ़ाई जा रही है।

टिप्पणियों पर बिंदुवार एक नजर

- किसी को भी पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर में रुकावट डालने की इजाजत नहीं दी जाएगी।
- राज्य सरकार ने चुनाव आयोग को 8,505 ग्रुप क्वअधिकारियों की लिस्ट दी है। उन्हें ट्रेनिंग देकर एसआईआर की प्रक्रिया में लगाया जा सकता है।
- चुनाव आयोग के आरोपों पर पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक हलफनामा दाखिल करें।
- निर्वाचन आयोग ने फॉर्म 7 (आपत्ति फॉर्म) जलाने का आरोप लगाया है। डीजीपी इस संबंध में जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दें और बताएं कि पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने बालाघाट पुलिस लाइन में किया अलंकरण समारोह को संबोधित
मध्यप्रदेश पुलिस के प्रभावशाली अभियान से संभव हुआ लाल सलाम को आखरी सलाम : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बालाघाट के नाम में ही बल है। इस जिले ने अपने आत्मबल से ही हिमालय जैसी कठिन चुनौती नक्सलवाद का अंत करके दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल उन्मूलन का माहौल बना। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रभावशाली अभियान चलाकर नक्सलियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और प्रदेश से लाल सलाम को आखरी सलाम किया। नक्सल उन्मूलन में हॉक फोर्स के वीर जवानों की भूमिका अभिनंदनीय है। बालाघाट में नक्सलियों द्वारा कभी खून की होली खेली गई, परंतु जवानों को वीरता, पुलिस की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनता के विश्वास ने क्षेत्र को नक्सल आतंक की जंजीरों से मुक्त किया।

सीएम ने नक्सली समस्या को 'कैंसर' बताया

सीएम ने पुलिस की विधांजलि कार्यक्रम, एकल केंद्र और 32 थानों के आईएसओ मिलने की शॉर्ट वीडियो फिल्म का शुभारंभ किया। बालाघाट में सीएम यादव ने नक्सली समस्या को 'कैंसर' बताया। वहीं उन्होंने तात्कालीन कांग्रेस सरकार में मंत्री लिखीराम की नक्सलियों की ओर से हत्या किए जाने पर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा कि आज कांग्रेसी खामोश हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री की हत्या का बदला उनकी सरकार ने लिया। इस दौरान सीएम ने पीएम मोदी का तीन बार नाम लिया। क्रमपूर्व पदोन्नति में शामिल जवानों को मुख्यमंत्री ने फीता काटकर सम्मानित किया।

60 जवानों को आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन प्रदान किया

60 हॉकफोर्स जवानों को क्रमपूर्व पदोन्नति के साथ ही 10 परिवारों के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाएगी। यह वे 14 परिवार हैं जिन्होंने अपने परिजनों को नक्सली घटना में खोया है। जवानों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन के साथ हो नक्सली घटना में शहीद होने वाले आमजन के परिवार के 14 परिवारों को नौकरी का पत्र सौंपा। साथ ही बैगा महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले आदिवासी टीमों और नक्सल में बेहतर काम करने वाले सीआरपीएफ को भी सीएम ने सम्मानित किया।

100 करोड़ के विकास कार्यों का लोकर्पण किया

विकास कार्यों के तहत, मुख्यमंत्री 31 करोड़ 07 लाख रुपए के 07 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसके अलावा, वे 69 करोड़ 83 लाख रुपए के 20 कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे। कुल मिलाकर, 100 करोड़ 90 लाख रुपए के विकास कार्य इस अवसर पर समर्पित किए जाएंगे। पदोन्नति पाने वालों में विपिन चंद्र खलको, शुभम प्रताप सिंह तोमर, रत्नेश मीणा, मनोज कुमार यादव, प्रदीप कुमार परते और सुनील सिंह कुशवाह सहित अन्य 53 जवान शामिल हैं। कुल 60 जवानों को पदोन्नति से नवाजा जाएगा।

परीक्षा पे चर्चा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोले- पढ़ने के साथ लिखकर प्रैक्टिस करें
टेक्नोलॉजी का गुलाम न बनें,तकनीक के जरिए क्षमता को विकसित करें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन के दूसरे एपिसोड में देशभर से आए छात्रों से मुलाकात की। पीएम मोदी कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ पहुंचे और बच्चों से बात की। इसके बाद पीएम गुवाहाटी के अष्टलक्ष्मी पहुंचे। पीएम ने कहा कि कभी भी टेक्नोलॉजी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्षमता बढ़ाने में करें। दूसरे एपिसोड में पीएम मोदी ने बच्चों को पढ़ने के साथ, लिखकर प्रैक्टिस करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से कहा कि पहले निडर बनो फिर लीडर बन जाओगे।

पहले निडर बनो, फिर लीडर बनो

पहले निडर बनो, जो काम है, मन में तय करो कि कोई ओर करे या ना करे मैं करुंगा। जब आप ऐसा सोचना शुरू कर देंगे, तो आप देखेंगे कि अपने आप लीडरशिप क्वालिटी डेवलप हो जाएगी। मान लीजिए कहीं कचरा है और उसे आपने उठा लिया, तो आपको देखने वाले 4 लोग भी ऐसा ही करने लगेंगे।

जहां भी जाएं स्टूडेंट की तरह जाएं

आप वेकेशन पर जा रहे हैं, तो पहले अपनी तहसील में देखें कहां जा सकते हैं, फिर जिला, फिर राज्य। कहने का मतलब ये है कि आप जहां भी घूमें एक स्टूडेंट की नजर से घूमें ताकि आप लगातार कुछ सीख सकें। 6 फरवरी को पहले एपिसोड में मोदी ने दिल्ली स्थित पीएम आवास पर बच्चों से चर्चा की थी।

सुप्रीम कोर्ट में मंत्री विजय शाह मामले की सुनवाई टली
ऑपरेशन सिंदूर के बाद कर्नल कुरैशी पर की थी टिप्पणी; चार बार मांग चुके हैं माफी

भोपाल। मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए विवादित बयान के मामले में 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी।

जैसे ही विजय शाह के मामले की सुनवाई का समय आया, कोर्ट का समय समाप्त हो गया। अब इस मामले में आगामी दिनों में सुनवाई होगी। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट पहले ही पेश की जा चुकी है। उम्मीद थी कि सुनवाई के दौरान मंत्री के खिलाफ अभियोजन की कार्यवाही को लेकर कोई निर्णय लिया जा सकता है। इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शनिवार रात दिल्ली प्रवास के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले थे। माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान मंत्री विजय शाह को लेकर बने हालात पर चर्चा हुई। इसके अलावा, सीनियर वकीलों से भी मामले में सलाह ली गई है, ताकि कोर्ट में सरकार अपना पक्ष मजबूती से रख सके।

अमेरिका-ब्रिटेन से फ्रांस-नॉर्वे तक...
एपस्टीन फाइल्स में नाम आने के बाद दुनिया में ताबड़तोड़ इस्तीफे

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के कुख्यात अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज लगातार सामने आ रहे हैं। इन खुलासों के बाद कई देशों में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इन दस्तावेजों में ईमेल, सोशल संपर्क, पैसों के लेन-देन और निजी मुलाकातों से जुड़ी जानकारी सामने आई है। इसी वजह से कई बड़े पदों पर बैठे लोगों पर सवाल उठे हैं और कुछ को दबाव में आकर इस्तीफा देना पड़ा है। हाल ही में ब्रिटेन और नॉर्वे में इस्तीफे हुए हैं। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा। उन पर दबाव इसलिए बढ़ा क्योंकि उन्होंने पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाने की सलाह दी थी। मैकस्वीनी ने माना कि यह सलाह गलत थी और इसकी जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ दिया। नॉर्वे में भी असर दिखा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वरिष्ठ राजनयिक मोना जूल एपस्टीन से जुड़े संबंधों के मामले में फैसले में गंभीर गलती के कारण पद छोड़ेंगी।

अमेरिका में भी एपस्टीन फाइल्स का असर

अमेरिका में भी असर देखने को मिला। फरवरी 2026 में ब्रैड कार्प ने एक बड़ी लॉ फर्म के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि उनके एपस्टीन से ईमेल संपर्क सामने आए थे। इससे पहले नवंबर 2025 में लैरी समर्स ने भी एक अहम बोर्ड पद छोड़ा और माना कि एपस्टीन से संपर्क रखना उनकी गलती थी।

अधर में लटका एनसीपी विलय का मामला
शरद और सुप्रिया की आतुरता के बीच सुनेत्रा ने साधी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन के बाद एनसीसी के विलय का मामला फिलहाल अधर में लटक गया है। नई परिस्थितियों में शरद पवार परिवार में विलय के लिए जरूरत आतुरता दिख रही है, मगर अजित परिवार में डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार समेत अन्य सदस्यों ने चुप्पी साध ली है। पहले विलय पर सहमत दिख रही भाजपा नई परिस्थितियों में जल्दबाजी में नहीं है तो एनसीपी में परिवार के इतर बिग फोर मसलन प्रफुल्ल पटेल, धनंजन मुंडे, छगन भुजबल और सुनील तटकरे विलय के विरोध में हैं। गौरतलब है कि निधन से पहले अजित ने एनसीपी विलय का रोडमैप करीब-करीब तैयार कर लिया था। इस रोडमैप के मुताबिक एनसीपी (शरद) के मुखिया को राज्यसभा का एक और कार्यकाल दिया जाना था, जबकि सुप्रिया सुले को मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना था।

इसलिए लटका मामला

पहले विलय हो जाने की स्थिति में भले ही सुप्रिया सुले केंद्रीय मंत्री बन जाती, मगर शरद के सलाहकार की भूमिका में आने से संगठन की कमान दिवंगत अजीत के पास होती। अब नई परिस्थिति में भले ही दिवंगत अजीत की पत्नी सुनेत्रा डिप्टी सीएम बन गई हैं, मगर संगठन का झुकाव शरद और सुप्रिया की ओर हो जाने का खतरा था।

मणिपुर के लितान में हिंसा भड़की, 25 घर फूंके
राइफलों से गोलीबारी भी की, बीएसएफ, सीआरपीएफ और असम राइफल्स के जवान तैनात

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले के व्यावसायिक कस्बे लितान में तनाव बना हुआ है। हालांकि भारी सुरक्षा तैनाती के बीच फिलहाल माहौल शांत है। पुलिस के अनुसार, तांगखुल नागा और कुकी समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद लितान और उससे सटे मंगकोट गांव में बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन जारी है। रविवार देर रात करीब 11:30 बजे लितान बाजार में हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान उपद्रवियों ने स्वचालित हथियारों और राइफलों से गोलीबारी भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। हिंसा में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर जलकर खाक हो गए हैं। हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई, जिसमें तांगखुल नगा समुदाय के स्टर्लिंग नामक व्यक्ति के साथ कथित रूप से मारपीट हुई थी। बाद में उसे इलाज के लिए इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उखरुल के जिला मजिस्ट्रेट ने लितान में कर्फ्यू लगा दिया है। मणिपुर के उप-मुख्यमंत्री लोसी डिखो, जो एक नगा नेता भी हैं, रविवार से ही अशांत इलाके में डेरा डाले हुए हैं और तनाव को कम करने में मदद के लिए स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं।

भविष्यवाणी — मस्क ने कहा- अंतरिक्ष में कोई भी सौर पैनल धरती से लगभग 5 गुना अधिक ऊर्जा दे सकता है
36 महीनों में धरती से सस्ता होगा अंतरिक्ष में एआई लगाना

नई दिल्ली (एजेंसी)

टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी बड़ी कंपनियों को चलाने वाले अरबपति एलन मस्क ने एआई (आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस) को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि अगले 36 महीनों में एआई को अंतरिक्ष में लगाना धरती से ज्यादा सस्ता हो सकता है। मस्क ने इसकी वजह भी बताई है।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में लगने वाले एआई डेटा सेंटर्स के पास धरती से अधिक बेहतर सौर ऊर्जा होगी। वहां बैटरी की जरूरत नहीं रहेगी। मस्क ने कहा कि कोई भी सोलर पैनल धरती के तुलना में अंतरिक्ष में करीब 5 गुना अधिक ऊर्जा दे सकता है। दुनियाभर के टेक और एआई दिग्गज यह कहते आए हैं कि भविष्य में अंतरिक्ष में एआई डेटा सेंटर्स लगाए जा सकते हैं। गूगल ने इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है। अब एलन मस्क भी यही भविष्यवाणी कर रहे हैं।

द्वारकेश पटेल के एक पॉडकास्ट में शामिल हुए मस्क ने कहा कि भविष्य का एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर, पृथ्वी से बाहर हो सकता है। उनका इशारा अंतरिक्ष की ओर था। मस्क ने कहा कि धरती पर विस्तार करना, अंतरिक्ष में विस्तार करने से ज्यादा मुश्कलि है। एलन मस्क ने अंतरिक्ष में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के सफल होने की वजह भी बताई। कहा कि अंतरिक्ष में सोलर पैनल की एफिशिएंसी, धरती से पांच गुना होगी। उन्होंने बताया कि सिर्फ एटमॉस्फियर के कारण पृथ्वी पर ऊर्जा का 30 फीसदी घाटा होता है। अंतरिक्ष में एटमॉस्फियर की दीवार नहीं होगी, क्योंकि वहां कोई दिन-रात या मौसमी चक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में एआई डेटा सेंटरों के लिए बैटरियों की जरूरत नहीं होगी और यह पृथ्वी के मुकाबले सस्ता पड़ेगा। मस्क ने भविष्यवाणी की कि, अगले 36 महीनों या उससे भी कम वक्त शायद 30 महीनों में ऐसा होगा।

अंतरिक्ष में एआई डेटा सेंटर पर गूगल ने शुरू किया काम

मौजूदा वक्त में एआई ट्रेनिंग के लिए जीपीयू की विश्वसनीयता के सवाल पर मस्क ने कहा कि हार्डवेयर फेलियर को लेकर बहुत चिंता करने की जरूरत नहीं है। मस्क ने समझाया कि जीपीयू जब शुरुआती डीबगिंग साइकल (वह प्रक्रिया जिसमें किसी जीपीयू में बग का कमी का पता लगाया जाता है।) को पार कर लेते हैं तो एक पॉइंट के बाद वह काफी भरोसेमंद हो जाते हैं। एलन मस्क ने जो भविष्यवाणी की है, उस पर काम भी शुरू हो गया है। दिग्गज टेक कंपनी, गूगल ने अंतरिक्ष में सूर्य की रोशनी से चलने वाले एआई डेंटा सेंटर के विचार पर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। कहा जाता है कि जो डेटा सेंटर अंतरिक्ष में लगाए जाएंगे, वह सैटेलाइट की तरह उड़कर पृथ्वी का चक्कर लगाएंगे। गूगल ने अपने प्रोजेक्ट का नाम प्रोजेक्ट 'सनकैचर' रखा है।

मंदिर की छत गिरी 3 बच्चियों की मौत
मुरैना में पटिया ढहने से हादसा, मृतकों में दो सगी बहनें

मुरैना। मुरैना जिले के अहरौली गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में तीन मासूम बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई। गांव के मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के दौरान अचानक मंदिर की पटिया टूटकर गिर गई, जिसकी चपेट में आकर बच्चियों की जान चली गई। हादसे के समय मंदिर के ऊपर निर्माण कार्य चल रहा था। बताया जा रहा है कि उसी दौरान पटिया कमजोर होकर भरभराकर गिर पड़ी। घटना में चार महिलाएं और कुछ अन्य बच्चियां भी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मुंगावली से गौड़ समाज के लोग अहरौली गांव के मंदिर में प्रसाद चढ़ाने आए थे। प्रसाद चढ़ाने के बाद लोग मंदिर परिसर में ही मौजूद थे, तभी यह भयावह हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई मरने वाली युवतियां- वैष्णवी सिकरवार (11) पुत्री जीतू सिकरवार, करिश्मा गोस्वामी (9) पुत्री अशोक गोस्वामी, छाया गोस्वामी (7) पुत्री अशोक गोस्वामी. हादसे में ये घायल-गुंजन (12) पुत्री योगेंद्र सिंह, परी (8) पुत्री योगेंद्र सिंह, विद्या (6) पुत्री योगेंद्र सिंह, सतीश गौड (45), पृथ्वी गौड (40) पत्नी सतीश गौड, मानसी गौड (14) पुत्री सतीश गौड आदि। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मलबा हटाकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। सूचना पर एसडीएम जौरा शुभम शर्मा, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को कैलारस अस्पताल में भर्ती कराया।

कड़े मुकाबले में आईएमए टीम की रोमांचकारी विजय

■ इंडियन मेडिकल एसो. व सरस्वती स्कूल पूर्व छात्रों के बीच मैत्री रोमांचक क्रिकेट मैच सम्पन्न

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के व्यंकटेश लोक स्थित टर्फ ग्राउंड में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना एवं पूर्व छात्र परिषद सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णा नगर, सतना के बीच आयोजित मैत्री क्रिकेट मैच रोमांच और उत्साह से भरपूर रहा। अंतिम ओवर तक चले इस कड़े मुकाबले में आई.एम.ए.टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मात्र 3 रन से जीत दर्ज की। मैच के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए आई.एम.ए.अध्यक्ष डॉ.राकेश अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टर्स एवं समाज के मध्य पारस्परिक विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करना है जिससे सतना शहर में बेहतर स्वास्थ सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।सचिव डॉ.आलोक खन्ना ने क्रिकेट स्कोरर की भूमिका निभाते हुए स ही का आभार व्यक्त किया।मुख्य अतिथि डॉ.राजेश जैन एवं शैलेन्द्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आई एम ए टीम की कप्तानी डॉ.संजीव प्रजापति ने कुशलता पूर्वक की। उनके नेतृत्व में टीम ने अनुशासित और संतुलित खेल दिखाया, जिससे मुकाबले में बढ़त बनाए रखने में सफलता मिली। इस आयोजन के संयोजक डॉ संकल्प जैन एवं अनिल मोटवानी ने सारी व्यवस्था बनाए रखी।

आई एम ए की ओर से डॉ. अतीक खान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक 30 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इसके अलावा डॉ. रोहित दुबे और डॉ. संकल्प जैन ने भी उपयोगी पारियां खेली गेंदबाजी में डॉ. एन.पी. तिवारी और डॉ. शरद दुबे ने सधी हुई गेंदबाजी करते हुए विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। वहीं पूर्व छात्र परिषद की टीम की कप्तानी अनिल मोटवानी ने की विकास टंडन, प्रकाश गौतम, अजय दुबे और शानदार बल्लेबाजी की मुकाबले के अंतिम क्षणों में कप्तान अनिल मोटवानी ने आकर तेजी से नॉट आऊट रहते हुए 25 रन बनाकर मैच को रोमांचक बना दिया, लेकिन सामने से लगातार विकेट गिरने से लक्ष्य से तीन रन पीछे रह गई। पूर्व छात्र समिति से शैलेन्द्र सिंह, संजय खरे, प्रकाश मंगलानी, अजय पाठक, आशीष कटारे, भरत चौरसिया ,अश्वनी अग्राल,मंजरी सिंह, आभा अग्रवाल, मोनिका अवस्थी,रोली खन्ना की गरिमामयी उपस्थिति रही। मैच के समापन पर खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. अतीक खान को मैन ऑफ द मैच, प्रकाश गौतम को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, डॉ. एन.पी. तिवारी एवं डॉ. शरद दुबे को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज तथा विकास टंडन को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर एवं दीपक अग्रवाल को अंपायरिंग पुरस्कार प्रदान किया गया।

कर्म क्षेत्र : अनुपमा एजुकेशन सोसाइटी सेवा, सशक्तिकरण और विकास का सशक्त मॉडल

महिलाओं-बालकों के समग्र उत्थान में 9 जिलों तक फैला सामाजिक अभियान

नगर संवाददाता, सतना।

अनुपमा एजुकेशन सोसाइटी रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं म.प्र. शासन द्वारा पंजीकृत एक गैर राजनीतिक, सामाजिक स्वयंसेवी संस्था है, जो विगत कई दशकों से महिलाओं, बालकों, किशोर-किशोरियों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत कार्य कर रही है। संस्था की स्थापना सचिव डॉ. शैला तिवारी द्वारा समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान में संस्था मध्यप्रदेश के 09 जिलों में प्रभावी रूप से कार्यरत है।

राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

श्रीमती तिवारी ने बताया कि संस्था को कुपोषण के क्षेत्र में अभिनव प्रयासों हेतु 28 जून 2000 को राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार से महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं 13 मार्च 2013 को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट स्वयंसेवी संस्था पुरस्कार प्रदान किया गया। नाबार्ड के सहयोग से 2019 से सतना जिले के उचेहरा विकासखण्ड अंतर्गत परसमनिया क्लस्टर में संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए 23 दिसंबर 2020 को कृषि मंत्री कमल पटेल के हाथों प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही 14 फरवरी 2024 को उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में संस्था को उत्कृष्ट बाड़ी परियोजना सम्मान 2023-24 से नवाजा गया।

डॉ. शैला तिवारी के नेतृत्व में संस्था ने 1987 से शिक्षा अभियान प्रारंभ किया। वर्तमान में संस्था द्वारा अनुपमा हायर सेकेण्ड्री स्कूल एवं सीबीएसई मान्यता प्राप्त अनुपमा आइरिस इंटरनेशनल स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। दूरवर्ती अध्ययन केंद्र एवं ऑनलाइन माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की सुविधा भी दी जा रही है।

स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण में सतत योगदान

श्रीमती तिवारी ने बताया कि संस्था द्वारा कुपोषण रोकथाम, स्वास्थ्य शिविर, आशा प्रशिक्षण, टीबी उन्मूलन, सुरक्षित मातृत्व, रक्तदान, मानसिक स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम सहित कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महिला सशक्तिकरण के तहत 5740 स्व सहायता समूह गठित कर 1,46,675 महिलाओं को बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर बनाया गया। संस्था को नाबार्ड द्वारा 29 जनवरी 2016 को सम्मानित भी किया गया।

रोजगार से बदली महिलाओं की तस्वीर

श्रीमती तिवारी ने बताया कि कम्प्यूटर, सिलाई, ब्यूटीपार्लर, मशरूम उत्पादन, मसाला उद्योग, पेपर बैग, सेनेटरी नैपकिन निर्माण सहित अनेक प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया। वाड़ी परियोजना से 135 आदिवासी महिलाओं को रोजगारमूलक गतिविधियों में जोड़कर आर्थिक मजबूती प्रदान की जा रही है। अनुपमा एजुकेशन सोसाइटी आज सतना सहित प्रदेश के कई जिलों में सामाजिक परिवर्तन की प्रेरक मिसाल बन चुकी है।

[पर्व] हिन्दू पर्व समन्वय समिति का अभिनव आयोजन

ध्वज वंदन व अक्षत-कलश पूजन से श्री रामनवमी महोत्सव का भव्य शुभारंभ

नगर संवाददाता, सतना।

हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित 22 वें श्री रामनवमी महोत्सव का शुभारंभ बाबा मेहर शाह दरबार प्रांगण में हिंदू पर्व समन्वय समिति के वरिष्ठ सदस्य रामअवतार चमड़िया एवं लखनलाल केशरवानी के सपत्नीक श्री अयोध्या धाम रामलला मंदिर से पूजित ध्वज पूजन के साथ हो गया एवं श्री हनुमान जी को प्रथम आमंत्रण समर्पित किया गया । तत्पश्चात अक्षत पूजन एवं नगर के प्रत्येक परिवार तक आमंत्रण पहुंचाने हेतु शक्ति केंद्रों को ध्वज- कलश वितरण कर किया गया।

दीप प्रज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ

श्री रामनवमी महोत्सव के भव्य एवं दिव्य स्वरुप प्रदान करने नगर के समस्त जाति- बिरादरी, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक एवं सेवाभावी संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों की रामसभा का शुभारंभ बाबा मेहर शाह दरबार में संत पुरुषोत्तम दास जी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। बैठक में समन्वय समिति अध्यक्ष मणिकांत महेश्वरी, संयोजक कमलजीत सिंह सेठी, जितेंद्र जैन एवं मातृशक्ति प्रतिनिधि श्रीमती इंदु चमड़िया एवं किरण केसरवानी मंचासीन रहे। संत पुरुषोत्तम दास जी द्वारा मुख्य ध्वज का आरोहण किया गया एवं विपिन सिंह द्वारा विजय मंत्र के वाचन पश्चात महाराज जी ने आयोजन की सफलता हेतु आशीष प्रदान किया। समिति के वरिष्ठ सदस्य इंजी. उत्तम बनर्जी ने मुख्य विषय एवं हिंदू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित श्री रामनवमी महोत्सव की प्रस्तावना एवं धर्म ध्वजा के महत्व की जानकारी सभी के समक्ष रखी।

ध्वज वंदन कर शक्ति केंद्रों को प्रदान किए गए पवित्र कलश

अब की बार हर परिवार के संकल्प को लेकर शुभ पारंपरिक अक्षत नौ कलशो के माध्यम से एवं आमंत्रण पत्र विद्वतजनों द्वारा मोक्षदायिनी सरयू नदी की रज, पवित्र जल एवं मंत्रोच्चार के साथ पूजित कर नगर के सभी शक्ति केंद्र प्रभारियों को सौंपे गए। जिन्हें देवालय में स्थापित किया जाएगा एवं वार्ड संरचना अनुसार सभी वार्ड प्रभारी को घर-घर तक आमंत्रण देने हेतु विधिवत ध्वज एवं अक्षत कलश वितरित किया जाएगा। अक्षत एवं कलश पूजन पश्चात ढोल के साथ श्री राम धुन गाते हुए मातृशक्ति द्वारा समस्त शक्तिकेन्द्र तक पँहुचा कर देवालय में स्थापित किए गए एवं सभी ने कलश पर माल्यार्पण पूजन कर कार्यक्रम की मंगल कामना की।

हिंदू पर्व समन्वय समिति के अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी ने बताया कि अभिमंत्रित अक्षत- पुष्प एवं पवित्र ध्वज के साथ सुसज्जित कलश सम्पूर्ण नगर में कश्यप शक्ति केंद्र, दुर्गा शक्ति केंद्र, कामतानाथ शक्ति, वेंकटेश शक्ति केंद्र , हनुमान शक्ति केंद्र, संत कंवर शक्ति केंद्र, चिन्मय शक्ति केंद्र, श्री राम दरबार शक्ति एवं श्रीकृष्ण शक्ति केंद्र के प्रभारी एवं वार्ड प्रमुख को सौंपे गए। सभी शक्ति केंद्र प्रभारी वार्ड संरचना अनुसार पुनः आयोजन कर सभी वार्ड प्रभारी को कलश सौंपेंगे और कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर तक आमंत्रण पत्र एवं पूजित अक्षत प्रदान कर श्री रामनवमी शोभायात्रा में सहभागिता का निवेदन किया जाएगा । हिंदू पर्व समन्वय समिति सदस्य नरेंद्र चंद गुप्ता एवं सुनील सेनानी कारा ने बताया कि इस अनूठे अभियान से नगर के संपूर्ण वातावरण को राममय बनाया जाएगा एवं घरों में उत्सव का आह्वान किया जाएगा।

शक्ति केंद्र प्रमुखों ने दी योजना की जानकारी

समन्वय समिति सदस्य श्यामलाल गुप्ता श्यामू ने बताया कि बाबा मेहर शाह भक्त मंडल के आतिथ्य में आयोजित रामसभा में शक्ति केंद्र प्रमुखों ने अपनी योजना एवं वार्ड संरचना से परिचित कराया। कश्यप शक्ति केंद्र से ओमप्रकाश केशरवानी, कामतानाथ शक्ति केंद्र सचिन शुक्ला ,हनुमान शक्ति केंद्र विनोद द्विवेदी, दुर्गा शक्ति केंद्र जितिन यादव ,संत कंवर शक्ति केंद्र मनोहर डिगवानी, कृष्ण शक्ति केंद्र राजेश खत्री, वेंकटेश शक्ति केंद्र से अबीर द्विवेदी,चिन्मय शक्तिकेन्द्र अमित सोनी, श्री रामदरबार शक्तिकेन्द्र से सागर चौरसिया ने ध्वज-कलश एवं आमंत्रण पत्र प्राप्त कर घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया ।

मीटर रीडर को बिजली कंपनियों ने बनाया बंधुआ मजदूर : डॉ.अमित

सतना। प्रदेश में बिजली कंपनियों द्वारा मीटर रीडर्स के साथ किए जा रहे अमानवीय व्यवहार पर आल डिपार्टमेंट आऊट सोर्स अस्थाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा मध्य प्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ अमित सिंह ने सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जिस तरह का शोषण प्रदेशभर में चल रहा है, वह स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार की मौन स्वीकृति इस पूरे खेल के पीछे है। डॉ सिंह ने कहा कि यदि सरकार वाकई संवेदनशील होती तो मीटर रीडर्स को हटाने-रखने का 'दलाली तंत्र' पूरे प्रदेश इतनी बेशर्मी से नहीं चलता। यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं बल्कि सत्ता संरक्षण प्राप्त भ्रष्टाचार है । डॉ सिंह ने बिजली कंपनियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सतना में ग्यारह और रीवा में चालीस इसी तरह अन्य जिलों में मीटर रीडर्स को हटाए जाने की सूचना मिली है। तथा यह भी पता चला है कि उनके स्थान पर पैसे लेकर नए कर्मचारी रखे जा रहे हैं।

माया सिंहराय को बंगाली समिति ने दी श्रद्धांजलि

सतना। बंगाली समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय संतोष सिंह राय की धर्मपत्नी माया सिंहराय के दुखद निधन पर बंगाली कल्याण समिति महिला मंडल की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समिति की सचिव राखी मित्रा एवं सरवानी मुखर्जी ने बताया कि सिंहराय परिवार का बंगाली समाज के प्रति विशेष लगाव रहा है। दिवंगत संतोष सिंहराय की बांग्ला संस्कृति विशेष रूप से नाट्य विधा में विशेष रुचि रही। इस परिवार ने युवा पीढ़ी को सदैव आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने में समिति के विमल मित्रा आनंद मुखर्जी जे सी विश्वास पलक रंजन पांडा सुप्रभात बोस सहित अनेक सदस्यों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

वैश्य महासम्मेलन के संस्थापक की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

वैश्य महासम्मेलन के संस्थापक, श्रद्धेय नारायण प्रसाद गुप्ता (नाना जी) की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई, सतना के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर के माध्यम से नाना जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिविर का उद्देश्य मानव सेवा, सामाजिक दायित्व एवं रक्तदान के प्रति जन-जागरूकता फैलाना रहा। युवा इकाई अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं ने स्वयं रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सतना इकाई जिला प्रभारी लखन केशरवानी, प्रदेश महामंत्री हरि ओम गुप्ता, प्रदेश मंत्री अशोक गुप्ता, जिला महामंत्री सागर गुप्ता, जिला महामंत्री सुरेश गुप्ता, जिला मंत्री गणेश गुप्ता, मंत्री अभिजीत गुप्ता, नगर अध्यक्ष टिंकू अग्रवाल की उपस्थिति रही।

ए.के.एस. में 'लाइव डिस्कवर योरसेल्फ' भक्ति कॉन्सर्ट आयोजित

नगर संवाददाता, सतना।

ए.के.एस. यूनिवर्सिटी के केंद्रीय सभागार में 'लाइव डिस्कवर योरसेल्फ' भक्ति जेमिंग कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया। तेज़ रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन के बीच यह कार्यक्रम युवाओं के लिए आत्मचिंतन, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का माध्यम बना।

भक्ति गायक जतिन जग्यासी ने बांधा समां

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भक्ति गायक जतिन जग्याशी ने अपनी प्रस्तुति से सभागार को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। 'हनुमान चालीसा (फास्ट)', 'राम आएंगे' और 'राधा गोरी-गोरी' जैसे भजनों पर युवाओं ने तालियां बजाकर सहभागिता की। कई छात्र ध्यानमग्न होकर आंखें बंद कर संगीत का आनंद लेते नजर आए।

भक्ति सुखेजा ने बताए उद्देश्य

डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक भक्ति सुखेजा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को उपदेश नहीं, बल्कि अनुभव के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना रहा। उन्होंने कहा कि मंच का लक्ष्य युवाओं को अपने भीतर झांकने और आत्मिक संतुलन पाने का अवसर देना है।

विश्वविद्यालय प्रबंधन रहा उपस्थित

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर अनंत कुमार सोनी, प्रतिकुलपति डॉ. हर्षवर्धन सहित विश्वविद्यालय परिवार की उपस्थिति रही। साथ ही एक्सिस बैंक के मैनेजर मोहित सुखेजा भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

संगीत सहयोग व टीम की भूमिका

कार्यक्रम में सत्यम त्रिपाठी (ऑक्टापैड), नितीश वर्मा (कीबोर्ड) और नमन श्रीवास्तव (ढोलक) का सहयोग रहा। आयोजन को सफल बनाने में विजेता कृष्णानी सहित पूरी टीम की भूमिका सराहनीय रही।

रेल मनोरंजन सदन ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

किडनी व मूत्र संबंधी बीमारियों को नजर अंदाज न करें : डॉ.पुष्पेन्द्र

नगर संवाददाता, सतना।

रेल मनोरंजन सदन सतना के तत्वाधान में एक विशाल निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया। यह कैम्प दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें स्टार सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सतना का विशेष सहयोग रहा। डॉ.पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि किडनी एवं मूत्र संबंधी बीमारियों को नजर अंदाज करना गंभीर परिणाम दे सकता है, समय पर जांच व परामर्श जरूरी है। रेल मनोरंजन सदन के सचिव यादवेंद्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष नीरज राज ने बताया कि इस निःशुल्क कैम्प में लगभग 70 रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लाभ उठाया।

इस स्वास्थ्य शिविर में सतना के चार प्रसिद्ध एवं अनुभवी चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध रहीं। जिनमें डॉ.पुष्पेंद्र सिंह (किडनी, पथरी, प्रोस्टेट एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ) डॉ. मुलायम सिंह यादव (हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ) डॉ. अर्पिता सिंह (चर्म रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. टंकेश्वर पटेल (शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ) उपस्थित रहे।

कैम्प में बीपी, शुगर एवं ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांचें निःशुल्क की गई। वहीं अन्य आवश्यक जांचों पर स्टार सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर योगेश शर्मा द्वारा 25 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की गई।

डॉक्टरों ने दी स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सलाह

डॉ.मुलायम सिंह यादव ने बताया कि हड्डियों के दर्द को सामान्य समझकर टालना नहीं चाहिए, नियमित व्यायाम और कैल्शियम युक्त आहार आवश्यक है। डॉ.अर्पिता सिंह ने कहा कि त्वचा रोगों में साफ-सफाई और समय पर उपचार बेहद जरूरी है। डॉ. टंकेश्वर पटेल ने बच्चों के स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि समय पर टीकाकरण एवं पोषणयुक्त आहार बच्चों को स्वस्थ रखने की सबसे बड़ी कुंजी है।

मेडिकल टीम को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

इस उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए रेल मनोरंजन सदन के सचिव यादवेंद्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष नीरज राज द्वारा पूरी मेडिकल टीम को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी द्वारा दी गई।

रेलवे इतिहास में पहली बार लगा इतना बड़ा स्वास्थ्य शिविर

सचिव यादवेंद्र सिंह ने कहा कि सतना रेलवे के इतिहास में पहली बार इस प्रकार का इतना बड़ा और व्यवस्थित नि :शुल्क मेडिकल कैम्प आयोजित किया गया, जिसमें चार अलग-अलग विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपना बहुमूल्य समय देकर रेल परिवारों की सेवा की। कोषाध्यक्ष नीरज राज ने बताया कि यह कैम्प कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मेधावी छात्रों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

■ सरस्वती शिक्षा मंदिर हाई स्कूल व सतना पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

सरस्वती शिक्षा मंदिर हाई स्कूल सिविल लाइन सतना में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हाई स्कूल परीक्षा सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। साथ ही विद्यालय स्तर पर विभिन्न खेल विधाओं में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.महेंद्र तिवारी रहे। समारोह की अध्यक्षता अभिनव त्रिपाठी (प्रदेश सहसंयोजक, भाजपा सेल) ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नव स्वदेश समाचार पत्र के संपादक ऋषि पंडित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल पांडेय (व्याख्याता, राजनीति विज्ञान) एवं समाजसेवी पंकज उर्मालिया उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विद्यालय के संचालक विजय तिवारी , प्राचार्य महेंद्र प्रताप सिंह , प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना खरे सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन हीरालाल त्रिपाठी द्वारा किया गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक, खेल एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों का उत्साह पूर्वक उत्सव मनाया गया। मेधावी छात्रों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गयां।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

रीवा, नगर संवाददाता। 08 फरवरी को अल्प प्रवास पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीवा पहुंचे। इस अल्प प्रवास पर उनके स्वागत हेतु रीवा हवाई अड्डे पर पहुंच कर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल व अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा हृदय से स्वागत वंदन अभिनन्दन किया गया।

सरस्वती जेल मार्ग में आयोजित हुई आचार्य चयन परीक्षा

रीवा। सरस्वती शिक्षा परिषद मध्यप्रदेश महाकौशल प्रान्त की योजनानुसार 08 फरवरी 2026 को जिला आचार्य चयन परीक्षा 2026 का आयोजन सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेलमार्ग रीवा में प्रातः 11 बजे से किया गया। परीक्षा का उद्देश्य विद्यालयों हेतु कर्मठ, विद्वान एवं विषय विशेषज्ञ आचार्य/दीदियों की परीक्षा उपरान्त उनकी गुणवश्रा एवं शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नियुक्ति करना है। जिससे सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता संस्कारयुक्त एवं उत्कृष्ट बने। परीक्षा में परिषद के प्रतिनिधि के रूप में कमलेश अवस्थी सह प्रादेशिक सचिव, केशव शिक्षा समिति ग्राम भारती रवि मिश्रा विभाग समन्वयक विभाग रीवा एवं संतोष कुमार पटेल प्राचार्य दीनदयालधाम रीवा उपस्थित रहे। इस पूरी परीक्षा का आयोजन नीरज खरे जिला सचिव जिला रीवा के निर्देशन में किया गया। परीक्षा परिणाम की घोषणा 9 फरवरी 2026 को की जायेगी। तत् पश्चात् साक्षात्कार का आयोजन किया जाना है। परीक्षा सम्पन्न कराने में जिला केन्द्र के प्रभारी प्राचार्य शिवकुमार शुक्ला के साथ-साथ परीक्षा कार्य में लगे आचार्य बन्धुभगिनी का उत्कृष्ट योगदान रहा।

नगर निगम की समीक्षा बैठक में बोले एसीएस संजय दुबे

बीएलसी योजना के अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण करायें

रीवा, नगर संवाददाता।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की अध्यक्षता में 08 फरवरी को कलेक्ट्रेट रीवा के मोहन सभागार में नगर पालिक निगम रीवा की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग दिव्यांक सिंह, नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे सहित एमपीयूडीसी निगम की निर्माण, राजस्व, वित्त एवं स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 एवं 2.0 अंतर्गत एएचपी, बीएलसी, एआरएच, आईएसएसएस एवं इन-सीटू स्लम रिहैबिलिटेशन घटकों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने एएचपी पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए तथा एएचपी मद में व्यय राशि के समायोजन हेतु एलआईजी एवं एमआईजी भवनों से प्राप्त राशि के उपयोग की बात कही। बीएलसी योजना के अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा आवश्यकतानुसार अंतिम किश्त का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। रीवा में बढ़ते माइग्रेशन को दृष्टिगत रखते हुए एआरएच (अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग) पर विशेष कार्य करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों एवं कर्मचारियों हेतु सर्वसुविधायुक्त 300 इकाई की आवास परियोजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए।

पेयजल पाइपलाइन क्षति पर 10 गुना दण्डात्मक कार्यवाही हो

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि रीवा का स्वच्छता स्तर निरंतर सुधर रहा है और इस वर्ष निकाय को 7 स्टार एवं वॉटर प्लस श्रेणी प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। नाइट स्वीपिंग एवं मैकेनिकल स्वीपिंग को अनिवार्य रूप से व्यावसायिक क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों पर लागू करने, स्वीपिंग मशीनों की संख्या बढ़ाने तथा जनसहभागिता एवं पब्लिक फीडबैक को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। स्रोत पर कचरा पृथक्करण की स्थिति सुधारने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इसमें निरन्तर सुधार करें। अपर मुख्य सचिव ने हाउस सर्विस कनेक्शन की संख्या शीघ्र बढ़ाने तथा संविदाकार को भुगतान हाउस कनेक्शन के अनुपात में ही करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव ने अर्बन चौलेंज फंड अंतर्गत लगभग 1000 करोड़ रुपये की समग्र योजना तैयार करने के निर्देश दिए। वॉटर सप्लाई की समीक्षा में सभी सिस्टम को स्काडा से कनेक्ट करने तथा उसकी जानकारी राज्य स्तर पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। पेयजल पाइपलाइन क्षति पर 10 गुना दंडात्मक कार्रवाई हेतु शासन स्तर से एसओपी जारी करने की बात कही गई।

टाउन प्लानिंग स्कीम शहर के बाहरी क्षेत्रों में लागू किया जाए

टाउन प्लानिंग एवं शहरी विकास पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि टाउन प्लानिंग स्कीम (टीपीएस) को मुख्य रूप से शहर के बाहरी क्षेत्रों में लागू किया जाए, ताकि अनियोजित विकास को रोका जा सके। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए संपत्तिकर एवं जलकर की एकीकृत आईडी तैयार करने को कहा। वसूली के लिए विशेष रूप से व्यावसायिक कर संपत्तियों का चिन्हांकन करने तथा 31 मार्च तक शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। रेलवे संपत्तियों पर सेवा प्रभार की वसूली एवं अन्य शासकीय भवनों के समान करने तथा संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु जिला एवं राज्य स्तर पर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव ने बैठक में सभी योजनाओं के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन पर सख्त निर्देश दिया।

मऊगंज कलेक्टर से मिली सीएम राइज की छात्रा, बोली मुझे भी आईएएस बनना है...

रीवा, नगर संवाददाता।

सीएम राइज पीके स्कूल की एक चौथी क्लास की छात्रा ने कलेक्टर बनने की इच्छा जताई है। यही नहीं गत दिवस कलेक्टर मऊगंज डॉ संजय जैन से मिलकर जिस अंदाज में सीएम राइज पीके स्कूल की छात्रा श्रेया तिवारी ने आईएएस बनने की इच्छा जताई उससे कलेक्टर डॉ जैन भी दंग रह गए। हालांकि इस दौरान कलेक्टर श्री जैन ने दस साल की छात्रा श्रेया के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उसे अपना स्नेह व आशीर्वाद के तौर पर पेन व सरकारी डायरी गिफ्ट किया। यहां यह बता दे कि मऊगंज कलेक्टर श्री जैन से मुलाकात के दौरान नन्ही सी छात्रा श्रेया तिवारी ने यह भी कहा कि गवर्मेंट स्कूल में वह पढ़ाई कर रही हैं तथा उसे इस बात का गर्व भी है। दरअसल रीवा वार्ड क्रमांक 26 निवासी श्रेया तिवारी एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने अपने फैमिली के साथ मऊगंज गई हुईं थी। इसी दौरान उसे मऊगंज कलेक्टर डॉ संजय जैन से कलेक्ट्रेट में मिलने का अवसर मिला।

गर्व है कि वह गवर्मेंट स्कूल की स्टूडेंट हैं

यहां यह बता दे कि सीएम राइज संदीपन पीके स्कूल की स्टूडेंट श्रेया तिवारी एक कलाकार भी हैं। मुलाकात के दौरान जब कलेक्टर श्री जैन ने उससे स्कूल के बारे में पूछा, श्रेया ने बताया उसकी बड़ी बहन ज्योति स्कूल में पढ़ती है इसका उसे बिल्कुल भी मलाल नहीं है। श्रेया ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं गवर्मेंट स्कूल की स्टूडेंट हूं। इस दौरान श्रेया कलेक्टर श्री जैन से अपने स्कूल के टीचर्स की जमकर तारीफ करना नहीं भूली। छोटी सी बच्ची श्रेया ने कलेक्टर श्री जैन द्वारा दिए गए पेन को संभाल कर रखने की बात करते हुए कहा कि अब वह अपने इंपॉर्टेंट मैटर इसे से लिखेगी।

कलेक्टर को गिनाई अपनी हॉबीज

मुलाकात के दौरान कलेक्टर श्री जैन ने नन्ही कलाकार श्रेया से उसकी हॉबीज के बारे में भी बात की। इस दौरान श्रेया ने बताया कि पढ़ने के साथ साथ उसे डांस व सिंगिंग का बहुत शौक है। श्रेया ने बताया कि वह कई बार डांस व म्यूजिक के कंपटीशन में हिस्सा लेकर अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं। श्रेया ने बताया कि इससे पहले भी वह सीधी के तत्कालीन व अशोकनगर के वर्तमान कलेक्टर साकेत मालवीय से मिली थी तथा तब भी उसने भविष्य में कलेक्टर बनने की इच्छा जताई थी जो सोशल मीडिया में काफ़ी वायरल भी हुआ था।

रीवा में मोदी ट्रंप का विरोध तेज, गांव-गांव पुतला दहनः एसकेएम

रीवा, नगर संवाददाता।

संयुक्त किसान मोर्चे के राष्ट्रीय आवाहन मुताबिक अमेरिकी भारत व्यापार ट्रेड डील का रीवा के किसान गांव गांव मोदी ट्रंप के पुतले दहन कर विरोध कर रहे हैं। रीवा के रतहरा में किसान संघर्ष समिति के प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल सेमरिया के ग्राम बधरी में बीकेयू टिकैत तहसील अध्यक्ष शिवमंगल सिंह की अगुवाई में किसानों ने मोदी ट्रंप के पुतले दहन कर कड़ा विरोध जताया है। दौरान विरोध पुतला दहन मोर्चे के नेता अखिलेश पटेल शशि सिंह कमलेश्वर पटेल सुनीता पटेल अनिल पटेल भागीरथी पटेल भोले विश्वकर्मा मनुवेंद्र पटेल धीरज पटेल वीरभद्र सिंह महासचिव चंद्रभान सिंह महेंद्र सिंह प्रियांशु तिवारी उपेंद्र सिंह अनुराग नामदेव उदय प्रजापति अमित यादव शिवम सिंह सुरेंद्र प्रजापति पंचूलाल सागर सिंह पुष्पेंद्र प्रजापति विक्की तिवारी महेंद्र प्रजापति लालमन सिंह दुलेम पटेल धीरज प्रसाद पटेल राजेश पटेल राजू पटेल आदर्श पटेल प्रिंस पटेल रजनीश पटेल अवनीत पटेल सिद्धार्थ सिंह आदि काफी संख्या में किसान उपस्थिति रहें। मोर्चे के नेता शिव सिंह ने कहा कि यह भारत अमेरिकी व्यापार डील अमेरिका की नवीन ईस्ट इंडिया कंपनी से डील है जो भारत देश के किसानों एवं आम आवाम के लिए खतरा है। सीधी और सतना में भी विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है।

संयुक्त ट्रेड यूनियन की बैठक में हड़ताल को लेकर विचार मंथन

रीवा, नगर संवाददाता।

8 फरवरी को संयुक्त ट्रेड यूनियनों की बैठक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के कार्यालय में आयोजित की गई जिसमें आगामी 12 फरवरी को होने वाली अखिल भारतीय हड़ताल के परिप्रेक्ष्य में रीवा में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को तय किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चारों काली श्रम संहिताओं के विरोध में आगामी 12 फरवरी को विभिन्न यूनियनों के सभी साथी अपने अपने कार्यालयों, कारखानों, बैंकों तथा बीमा कार्यालयों में विरोध कार्यवाहियां करते हुए नारे बाजी करेंगे एवं इसके उपरांत विभिन्न यूनियनों के साथी स्थानीय विवेकानंद पार्क से एक विशाल रैली निकालेंगे। कमिश्नर कार्यालय में विभिन्न यूनियनें राष्ट्रपति को संबोधित मांग पत्र संभागीय आयुक्त महोदय के माध्यम से देंगीं। आज की बैठक में इंटक के जिला अध्यक्ष जीपी त्रिपाठी, सचिव वीरेंद्र सिंह, सीटू के जिला अध्यक्ष गिरिजेश सिंह सेंगर, महासचिव सौरभ मिश्रा, मध्य प्रदेश बैंक एम्पलाइज एसोशिएशन के जिला अध्यक्ष ऋ तुराज मिश्र, जिला सचिव ब्रजेश मिश्रा, आल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोशिएशन की सतना डिविजनल इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोशिएशन यूनिट रीवा 1 के अध्यक्ष रोहित गुप्ता और सचिव शिवम भारती तथा रीवा 2 अध्यक्ष संध्या तिवारी और सचिव सुशांत श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

बालभारती विद्यालय में मनमोहक कार्यक्रमों के साथ वार्षिकोत्सव आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

8 फरवरी को बालभारती विद्यालयका 28वां वार्षिकोत्सव कृष्णाराजकपूर ऑडिटोरियम में जिलाधिकारी रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल की गरिमामयी उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के बच्चों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत वंदन किया। विद्यालय की जूनियर कैप्टन आरवी पटेल ने अपने स्वागत भाषण से मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं पधारे हुए अतिथियों का आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया। भारतीय परम्परानुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी माँ सरस्वती की वंदना से किया गया। विद्यालय निदेशक डॉ.संजय कुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि एव पधारे हुए अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए विद्यालय का शैक्षणिक एवं अन्य पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि बालभारती विद्यालय के छात्र बोर्ड परीक्षा में लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रहेहैं। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यालय के पूर्व छात्र आईएएस ण्रोमिल द्विवेदी, आईपीएस शुभम शुक्ला, न्यायाधीश ओशिन सिंह सोलंकी एवं विभिन्न छात्रों की सफलता के विषय में जानकारी देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किये। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना,कृष्णलीला नृत्यनाटिका,म्युजिकलबैंड, फैशनशो ,प्लैनेट नृत्य एवं कत्थक नृत्य ने विशेष आकर्षित किया जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय, शैक्षणिक एवं अन्य पाठ्य सहगामी गतिविधियों म ेविशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाल ेमेधावी छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया। विद्यालय में वर्ष भर चलने वाली पाठ्य सहगामी गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (चैंपियन ट्रॉफी, अशोक सदन,साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में) करने वाले रमन सदन एवं डिस्प्लेबोर्ड में टैगोर सदन को दिया गया।

बच्चे धरती के तारे हैं, इनकी चमक बनी रहेः प्रतिभा पाल

मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने विद्यालय के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए अपने आशीर्वचन में कहा कि बालभारती विद्यालय ने पाठ्यक्रम के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों में भी छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया है। मूल संस्कारों के साथ नन्हें कदम बढ़ाने वाले ये बच्चे देश की प्रगति में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावक इसी प्रकार बच्चों की जिज्ञासा को हमेशा बनाए रखें। बच्चे इस धरती के तारे हैं। इनकी चमक बनी रहे तथा ये प्रगति के पथ पर अग्रसर रहें। विद्यालय की संस्थापिका द्वारा मुख्य अतिथि को शॉल,श्रीफल एव छायाचित्र भेंट किया गया। विद्यालय संस्थापिका श्रीमती जया सिंह, निदेशक, प्राचार्य, प्रधानाध्यापिका एवं समन्वयिका के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में संगीत विभाग की भूमिका प्रशंसनीय रही। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की छात्रा आरवी पटेल, शैव्या शुक्ला,ईशान्वी तिवारी, मनस्वी अग्निहोत्री, स्वीकृति तिवारी एवं समर्थ त्रिपाठी ने किया तथा आभार प्रदर्शन दैविक करोसिया ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर जागरूकता वॉक एवं रैली आयोजित

कैंसर से लड़ने के लिए समाज में जागरूकता की अत्यंत आवश्यकताः राजेन्द्र शुक्ल

रीवा, नगर संवाददाता।

विंध्य कैंसर केयर फाउंडेशन एवं नेशनल हॉस्पिटल रीवा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विश्व कैंसर जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत जागरूकता रैली एवं वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को कैंसर के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच व उपचार के महत्व को समझाना था। जागरूकता रैली का विधिवत शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर से हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति, डॉ योगेश्वर शुक्ल एवं डॉ अखिलेश पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए अटल पार्क पहुंची, जहां मंच सभा का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने ऑनलाइन संदेश मे कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए समाज में जागरूकता की अत्यंत आवश्यकता है। हमारी सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि विंध्य क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। इस तरह के आयोजनों से आम जनता में बीमारी के प्रति भय कम होगा और वे समय पर उपचार के लिए आगे आएंगे। अटल पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सांसद रीवा जनार्दन मिश्र, विधायक नरेंद्र प्रजापति डॉ मनोज इंदुरकर, डॉ अखिलेश पटेल, डॉ योगेश्वर शुक्ला, डॉ अनिल पटेल , सिद्धार्थ कुशवाहा, डॉ कमल शुक्ला, अनीता मिश्रा, डॉ रामाभिलाष दुबे, डॉ परमजीत डंग, मंचासीन रहे। सभा को संबोधित करते हुए सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि कैंसर अब लाइलाज नहीं है, बशर्ते हम डर को छोड़कर सही समय पर डॉक्टर से संपर्क करें। केंद्र और राज्य सरकार की आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आज गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही हैं, जिससे कैंसर का महंगा इलाज भी सुलभ हुआ है। नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी के अभाव में कैंसर घातक हो जाता है। हमारी प्राथमिकता है कि जागरूकता का यह संदेश केवल शहर तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव तक पहुँचे ताकि अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति भी समय पर जांच करा सके और सुरक्षित रहे।

पुरानी पेंशन को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

- मांगों को पूरा न करने की स्थिति में आंदोलन की दी चेतावनी

रीवा, नगर संवाददाता।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश की प्रान्तीय अध्यक्ष भरत पटेल एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर मध्य प्रदेश के समस्त जिलो मे अध्यापक शिक्षक संवर्ग की समस्याओ को लेकर जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसके तारतम्य मे आजाद अध्यापक शिक्षक संघ जिला इकाई रीवा के जिलाध्यक्ष रमेश प्रताप सिंह के अध्यक्षता मे बैठक स्थानीय विवेकानंद पार्क कालेज चौराहा मे बैठक संपन्न हुई। बैठक मे प्रमुख रूप से नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर ग्रेज्युटी बीमा योजना का लाभ दिलाए जाने, पुरानी पेंशन लागू कराए जाने, दोषपूर्ण ई. अंटेनडेंस बंद हो, अनुकंपा नियुक्ति सरलीकरण,गुरूजीओ को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता जिले अंतर्गत जवा ब्लॉक सहित अन्य ब्लॉकों के लंबित रखे गए सहायक अध्यापक एवं अध्यापकों का नवीन शिक्षक संवर्ग में सांविलियन की कार्यवाही प्रचलन में हैं जिसे जानबूझकर कर देरी करने सहित विभिन्न विन्दुओ पर विस्तृत चर्चा की गयी है। तत्पश्चात इक्कीस बिन्दुओ का ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन भोपाल को सौपा गया। उक्त मांगो का निराकरण नहीं होने पर आगामी अप्रैल 2026 मे राजधानी भोपाल मे आन्दोलन धरना प्रदर्शन करने के लिए निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रमेश प्रताप सिंह, राजेश सिंह, रजनीश चतुर्वेदी,रूपेश्वर पाण्डेय,दीपू तिवारी,स्वतंत्र प्रकाश चौबे,अनिल मिश्रा,गंगा प्रसाद व्दिवेदी ,संजय सिंह,अनिल सिंह,धरणीश द्विवेदी, रामायण पाण्डेय, चिंतामणि कोल, दिनेश द्विवेदी, अनुराग मालवीय,शिव लाल कोल,रजनीश तिवारी, काशी प्रसाद पाण्डेय ,अंबिकेश सिंह, रघुवंशमणि पाण्डेय, केके मिश्रा, अशोक तिवारी, रामकिंकर त्रिपाठी, आदर्श तिवारी, अशोक पाण्डेय, कुबेर सिंह आदि अध्यापक शिक्षक उपस्थित रहे।

पेंशनर्स एसो.की बैठक में मांग पत्रों की समीक्षा की

रीवा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसियेशन रीवा की कार्यकारिणी की बैठक 8 फरवरी को संघ कार्यालय कोठी कम्पाउण्ड रीवा में नरेश कुमार द्विवेदी वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी के नाम से 5 सूत्रीय मांग पत्रो की समीक्षा की गई, जिसमें 1400 ब्लाक तहसील एवं जिला शाखा के सदस्यों द्वारा मांग पत्र पोस्ट ऑफ़िस डाक द्वारा भेजे गये हैं। बैठक को सर्वश्री राजर्षिदेव पाण्डेय, विश्वनाथ सोधिया, उमाकान्त तिवारी, रामसिरोमणि द्विवेदी, बी.एस. पटेल, राजकिशोर तिवारी, अमीरूल्ला खांन, न्याजुल्ला खांन, एल.पी. गौतम, इन्द्रभान साहू, रूप कुमार पुरवार, शशीकान्त प्रजापति, बी.एल. पाण्डेय, विजयशंकर द्विवेदी, राजमणि जायसवाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

तंग नजरिये से छोटा न हो भारतीयता का आंगन

अखबार में उस दिन दो खबरें एक साथ दिखीं। पहली खबर उत्तराखंड के कोटद्वार की है। वहां एक दुकान है, स्कूली ड्रेस बिकती हैं वहां। नाम है 'बाबा स्कूल ड्रेस और मैचिंग सेंटर'। पिछले 30 साल से चल रही इस दुकान के 75 वर्षीय मुस्लिम मालिक को कुछ लोग धमका रहे हैं कि वह दुकान का नाम बदले बाबा शब्द को हटा दें। भले ही आप अपने पिता को बाबा कहते हैं पर इस दुकान का नाम बदलवाने की मांग करने वालों का कहना है कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का मंदिर है। उन्हें लगता है कि इस 'बाबा' नाम पर हिंदुओं का एकाधिकार है और किसी मुसलमान को अपनी दुकान का नाम हिंदुओं के देवता के नाम पर रखने का अधिकार नहीं है। अपने आप को हिंदू धर्म का रक्षक मानने वालों की उस भीड़ ने कुछ दिन पहले भी इस नाम को बदलने की मांग की थी, और अब फिर इस बात का जवाब मांग रहे थे कि 'अब तक नाम बदला क्यों नहीं गया'। यह जानना ज़रूरी है कि उस भीड़ के लोग आग्रह नहीं कर रहे थे, धमका रहे थे। उनकी धमकियों का शोर सुनकर पास के जिम का युवा मालिक वहां पहुंचा। जब उसने शोर मचाने वालों को रोकने की कोशिश की और बाबा स्कूल ड्रेस के उम्रदराज मुसलमान मालिक का पक्ष लिया तो उन उपद्रवियों ने उसे युवक का नाम पूछा। युवक ने बुलंद आवाज़ में अपना नाम बताया मोहम्मद दीपक। उसका नाम दीपक कुमार ही था, पर उपद्रवियों के सामने तनकर खड़ा होते हुए उसने स्वयं को मोहम्मद कहा था। एक मुसलमान पड़ोसी के हितों की रक्षा के लिए किसी हिंदू का सामने आना इस देश के लिए नई बात नहीं है, पर दीपक कुमार का स्वयं को मोहम्मद बताना और वह भी सांप्रदायिकता का ज़हर फैलाने वालों के सामने, साहस की मांग करता है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया और इस साहस के लिए देश के विवेकशील नागरिक उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। विवेकशील लोगों की कमी नहीं है देश में, पर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर न्याय के लिए खतरा मोल लेना भी कोई आसान काम नहीं है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया है। ऐसे हर दीपक का हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है।

जिस दिन अखबार में 'मोहम्मद दीपक कुमार' की यह खबर छपी थी, उसी दिन एक खबर देश की पूर्वी सीमा से भी आयी थी। असम की बात है यह। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का एक बयान छपा था अखबारों में। वह कह रहे थे कि मुसलमान रिक्शा चालक को हिंदुओं से कम मेहनताना देना चाहिए। कोई भी यदि इस तरह के भेदभाव वाली बात कहे तो उसे ग़लत ही कहा जायेगा। पर यदि कोई मुख्यमंत्री ऐसी बात करता है तो उसकी सोच पर गुस्सा ही नहीं आता, तरस भी आता है। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति यदि इस तरह की घटिया सोच का प्रदर्शन करता है तो बात और भी गंभीर हो जाती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आज़ादी अर्जित करने के इतने साल बाद इस तरह की सोच के उदाहरण सामने आ रहे हैं। जब हमारे पूर्वजों ने देश के संविधान में पंथ-निरपेक्ष भारत की व्यवस्था की थी तो यह निर्णय बहुत सोच-विचार कर लिया गया था। यह

सही है कि देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हुआ था, पर हमारे तत्कालीन नेताओं ने कभी यह नहीं स्वीकारा कि हमारा भारत किसी एक धर्म को मानने वालों का देश बन जाये। दुनिया में शायद ही कोई और देश होगा जहां इतने धर्मों को मानने वाले लोग हों जितने हमारे देश में हैं। भारत ने हर धर्म का स्वागत किया है। हमारी बहुधर्मिता हमारी ताकत है। यह सही है कि भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन यहां हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। ऐसे में जब धर्म के आधार पर भेदभाव करने का कोई उदाहरण सामने आता है, और यदि उदाहरण मुख्यमंत्री स्तर का कोई व्यक्ति प्रस्तुत करता है तो हैरानी भी होती है, और पीड़ा भी। कुछ ऐसा ही एक उदाहरण पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्तुत किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे प्रधानमंत्री जी का प्रिय नारा है। वे और उनकी पार्टी के अन्य नेता इस बात का दावा भी करते हैं कि भाजपा की सरकारें बिना किसी भेद-भाव के हर धर्म को मानने वाले के विकास की चिंता करती हैं। होना भी यही चाहिए। प्रधानमंत्री सिर्फ अपने दल का ही नेता नहीं होता, सारे देश का प्रधानमंत्री होता है वह। इसलिए, जब सबके साथ और सबके विकास की बात होती है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। पर पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु खुलेआम यह कह रहे हैं कि इस नीति को बदला जाना चाहिए। हाल ही में उन्होंने यह कहा है कि 'अब' यह नीति नहीं चलेगी। उन्होंने घोषणा की है कि 'जो हमारे साथ हैं, हम उसके साथ हैं'। स्पष्ट है, वे अपने राजनीतिक विरोधियों की ही नहीं, गैर हिंदुओं की भी बात कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि कुछ अर्सा बाद पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। उसके कुछ बाद असम में चुनाव की बारी है। ऐसी स्थिति में इन दोनों राज्यों में धर्म के आधार पर भेदभाव की आशंकाएं मंडरा रही हैं। सवाल सिर्फ चुनाव में हार-जीत का नहीं है, सवाल उस बीमार सोच का है जिसके चलते देश की जनता को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही किसी भी सोच के अंतर्गत 'बटेंगे तो कटेंगे' की चेतावनी दी हो, पर यह चेतावनी सारे देश के लिए है हमने अपने संविधान में हर भारतीय को समता, न्याय और बंधुता के आधार पर समान अधिकार देने की व्यवस्था की थी। ऐसे में जब कोई शुभेंदु अधिकारी चुनावी सभा में श्रोताओं को इस आशय की धमकी देता है कि 'सड़क तब मिलेगी जब तुम धर्म बदलोगे', तो हैरानी भी होती है और गुस्सा भी आता है। ऐसा ही गुस्सा कोटद्वार के दीपक को आया होगा जब उसने यह देखा कि 75 साल के एक मुसलमान व्यापारी को इसलिए परेशान किया जा रहा है कि उसकी दुकान के नाम में 'बाबा' जुड़ा हुआ है। तीस साल से चल रही है यह दुकान। तीस साल तक किसी को इस पर कोई आपत्ति नहीं हुई। तो, आज यह विवाद किसलिए? यह सवाल सिर्फ 'मोहम्मद दीपक' नाम वाले युवक का नहीं है। देश के हर विवेकशील नागरिक के मन में यह सवाल उठना चाहिए। भारतीयता के आंगन में धर्म की दीवारें खड़ी करने वालों को यह बात क्यों समझ नहीं आ रही कि ऐसी हर दीवार आंगन को छोटा ही करती है। आज अपने आंगन को बांटना नहीं है, पूरे आंगन में धूप की ऊष्मा और रोशनी पहुंचाना हमारी आवश्यकता है। जिस साहस और समझदारी के साथ 'मोहम्मद दीपक कुमार' ने धर्म के नाम पर विद्वेष फैलाने वालों का सामना किया है, आज देश के हर युवा में उस साहस और समझदारी की आवश्यकता है।

कोटद्वार में जो कुछ हुआ उसका एक हिस्सा यह भी है कि यह घटना इसी 26 जनवरी को, अर्थात्? जब सारा देश गणतंत्र दिवस मना रहा था, तब घटी थी। यह वह दिन है जब हमने धर्म-निरपेक्ष भारत के लिए एक संविधान को अंगीकृत किया था। हर 26 जनवरी को हम उस संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। हमारे नेता समता और न्याय के पक्ष में खड़े होना क्यों ज़रूरी नहीं समझते? मोहम्मद दीपक ने यह बात समझी है। अब हर सच्चे भारतीय को यह बात समझनी है।

- विश्वनाथ सचदेव

संपादकीय

अभी बात बाकी है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय संबोधन में खुलासा किया है कि भारत 9 देशों के साथ व्यापार समझौते कर चुका है और 24 देशों के साथ वार्ताएं जारी हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी खुलासा किया है कि भारत-अमरीका का साझा बयान 4-5 दिन में सार्वजनिक हो जाएगा, जबकि मार्च मध्य में समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। जाहिर है कि अभी बहुत कुछ तय होना है। दोनों देश सिर्फ सैद्धांतिक तौर पर सहमत हुए हैं। इस संदर्भ में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यहां तक कह दिया कि समझौते से भारतीय किसान बर्बाद हो जाएंगे। किसी ने कहा कि रात के अंधेरे में किसानों के साथ विश्वासघात किया गया है। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेयरी क्षेत्रों को लेकर कोई समझौता नहीं किया गया है? किसान और पशुपालक पूरी तरह सुरक्षित और संरक्षित हैं। यथार्थ यह भी है कि कृषि के कई उत्पादों का भारत को आयात करना पड़ता है, क्योंकि यहां के किसान उतना उत्पादन नहीं कर सकते, जितनी खपत है। भारत दालें, सूखे मेवे, खाद्य तेल, फल और सब्जियों का 26 अरब डॉलर का आयात करता है। यानी विदेशी कंपनियां भारतीय बाजार में मौजूद हैं और अरबों डॉलर का व्यापार कर रही हैं। बेशक अमरीका से इन कृषि उत्पादों का आयात कम किया जाता है। यदि अमरीका से यह आयात सस्ता पड़ेगा, तो क्या हम समझौते से चिपके रहेंगे और अमरीका से ये उत्पाद नहीं खरीदेंगे? बेहद संवेदनशील सवाल है। चूंकि देश में इन उत्पादों की खपत है, जरूरत है, लिहाजा आयात करना 'राष्ट्रीय मजबूरी' है। भारतीय स्टेट बैंक की एक रपट सामने आई है कि यदि अमरीका से डेयरी उत्पाद भारत में आए, तो यहां के दुग्ध उत्पादक किसानों को करीब 1,03,000 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। यह भी दलील दी जा रही है कि अमरीका में गायों को मांस और चर्बी आदि खिलाते हैं, लिहाजा उनके दूध में उसके प्रभाव भी शामिल होंगे और इस तरह असंख्य भारतीयों का धर्म भ्रष्ट हो सकता है। कुल मिलाकर ऐसा प्रतीत होता है मानो कृषि और डेयरी क्षेत्र आज भी अपंग-अधूरे हैं। हालांकि भारत में दुग्ध कारोबार 7.5-9 लाख करोड़ रुपए का है। हम विश्व में सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देश होने का भी दावा करते रहे हैं। हमने दूध की कमी और संकट के दौर भी देखे और झेले हैं। भारत में 13 जनवरी 1970 को जब 'ऑपरेशन फ्लड' का आगाज किया गया था, तो उसे दुनिया का सबसे बड़ा डेयरी विकास कार्यक्रम करार दिया गया था। उसे 'श्वेत क्रांति' का नाम भी दिया गया था, लेकिन उससे पहले भारत दूध की कमी वाला देश था। इस 'श्वेत क्रांति' के सूत्रधार थे- डॉ. वर्गीज कुरियन। लगभग ऐसा ही हाल कृषि का है। आजादी के 78 सालों के बाद भी सहस्त्र वर्षों पुरानी कृषि इस स्थिति में नहीं है कि विदेशी प्रतिस्पर्द्धा का मुकाबला कर सके। किसान भी गरीब है और सरकारी मदद के भरोसे रहता है, लिहाजा भारत को आज भी कृषि और किसान को संरक्षण देना पड़ रहा है। व्यापार समझौतों पर बातचीत के दौरान भारत को इन दो मुद्दों पर अड़े रहना पड़ता है। अलबत्ता यूरोपीय संघ और अमरीका के साथ व्यापार समझौते कभी के तय हो गए होते! किसान भारत की राजनीतिक बाध्यता भी हैं। इस वोट बैंक के दबाव के आगे सभी को झुकना पड़ता है।

84 महादेव आलेख श्रृंखला

अठारहवाँ महादेव : श्री कलकलेश्वर महादेव | जब घर में कलह हो, तो स्मरण करें कलकलेश्वर को

जहाँ टूटते रिश्ते पाते हैं नई ऊर्जा, और बिखरते संस्कारों को मिलता है संबल

डॉ. नवीन आनंद जोशी

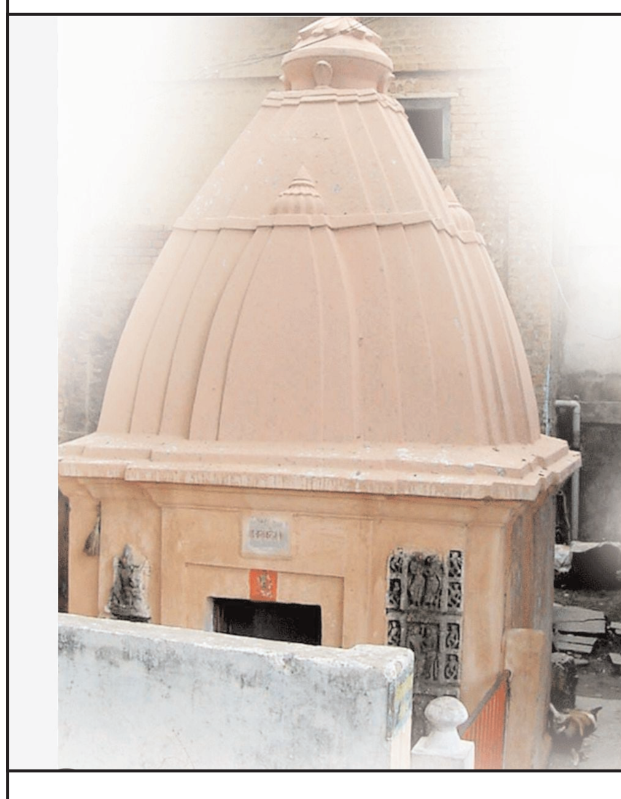

कलह से मुक्ति का दिव्य केंद्र आधुनिक युग में जब पारिवारिक कलह, वैवाहिक तनाव और दांपत्य विवाद समाज की सामान्य सच्चाई बनते जा रहे हैं, ऐसे समय में उज्जयिनी की पावन भूमि पर विराजमान श्री कलकलेश्वर महादेव आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए आशा, शांति और समाधान का दिव्य केंद्र बने हुए हैं।

यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि संस्कारों की पुनर्स्थापना और संबंधों के पुनर्जनन का आध्यात्मिक स्थल है।

उज्जैन की प्रसिद्ध चौरासी महादेवों की पावन श्रृंखला में अठारहवें क्रम पर विराजमान श्री कलकलेश्वर महादेव का मंदिर गोपाल मंदिर के समीप, मोदी की गली में, अग्रवाल धर्मशाला के सामने स्थित है।

यह स्थान न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आज के अशांत पारिवारिक जीवन में सौहार्द और संतुलन का आध्यात्मिक समाधान भी प्रस्तुत करता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, एक समय माता पार्वती मातृकाओं के साथ विराजमान थीं। तभी भगवान शंकर ने उन्हें अपने समीप आने को कहा और बोले— 'हे महाकाली! मेरे गौर शरीर के पास बैठने से तुम्हारी शोभा बिजली के समान प्रकाशित होगी। मैंने श्वेत वस्त्र और श्वेत चंदन धारण किया है। तुम रात्रि के समान श्यामवर्णा हो, मेरे पास बैठोगी तो मुझे दृष्टिदोष नहीं लगेगा।'

भगवान शिव के ये शब्द माता पार्वती के हृदय को आहत कर गए। क्रोध में उन्होंने उत्तर दिया

'जब आपने नारद मुनि को मेरे पिता के पास विवाह प्रस्ताव के लिए भेजा था, तब क्या आपने मेरा रूप नहीं देखा था? तब तो मेरा रंग आपको स्वीकार था!'

यह विवाद इतना उग्र हो गया कि तीनों लोकों में संकट उत्पन्न हो गया। पंचतत्व—अग्नि, वायु, जल, आकाश और पृथ्वी—असंतुलित होने लगे। प्राकृतिक आपदाएँ फैलने लगीं। देवता, गंधर्व, यक्ष और ऋषि भयभीत हो उठे। संपूर्ण सृष्टि में कोलाहल और अशांति व्याप्त हो गई।

दिव्य ज्योतिर्लिंग का प्राकट्य

उसी क्षण पृथ्वी को भेदकर एक दिव्य ज्योतिर्लिंग प्रकट हुआ। उस लिंग से आकाशवाणी हुई— 'इस लिंग का पूजन करो। यह समस्त कलह और क्लेश को शांत करेगा।'

देवताओं ने विधिवत पूजन किया। पूजन के प्रभाव से माता पार्वती का क्रोध शांत हुआ और तीनों लोकों में पुन: शांति की स्थापना हुई। तभी देवताओं ने उस लिंग को नाम दिया—

'श्री कलकलेश्वर महादेव'

अर्थात् वह महादेव जो कलह और क्लेश का नाश करते हैं।

आज के समय में, जब पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों पर विवाद, बढ़ते तलाक, टूटते परिवार और अशांत वातावरण आम हो चला है—श्री कलकलेश्वर महादेव की आराधना और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

निरंतर कलह न केवल दांपत्य जीवन को नर्क बना देती है, बल्कि इसका गहरा प्रभाव बच्चों के कोमल मन पर पड़ता है। अशांत वातावरण में पले बच्चे संस्कारों से दूर हो जाते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक सिद्ध होता है।

मान्यता है कि जो दंपत्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ श्री कलकलेश्वर महादेव के दर्शन और पूजन करते हैं— उनके घर से कलह स्वत: दूर होती है

दांपत्य जीवन में सामंजस्य और प्रेम बढ़ता है ,गृह शांति की स्थापना होती है।यह भी विश्वास है कि यहाँ अभिषेक करने से व्याधि (रोग), सर्पभय और अग्निभय से मुक्ति मिलती है। पारिवारिक जीवन में संस्कार, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है।यद्यपि श्री कलकलेश्वर महादेव के दर्शन वर्षभर किए जा सकते हैं, किंतु— श्रावण मास,चतुर्दशी तिथि इन दिनों यहाँ दर्शन-पूजन का विशेष महत्व माना गया है। इन अवसरों पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती है और वातावरण शिवमय हो उठता है।

श्री कलकलेश्वर महादेव केवल एक देवस्थान नहीं, बल्कि टूटते रिश्तों को जोड़ने, बिखरते संस्कारों को संवारने और अशांत जीवन को संतुलन देने वाले शिवतत्व हैं।

जब जीवन में कलह बढ़े, संवाद टूटे और शांति खो जाए,तो एक बार कलकलेश्वर के द्वार अवश्य जाएँ।क्योंकि जहाँ शिव हैं, वहाँ समाधान है।जहाँ कलकलेश्वर हैं, वहाँ कलह नहीं टिकती।

जारी...अगली यात्रा

डॉ नवीन आनंद जोशी
ई 100 /22 शिवाजी नगर भोपाल मध्य प्रदेश
9425018708/ 9425016620

'पॉकेट गवाह' से 'डिजिटल गवाह' तक

डीसी सागर (एडवोकेट)
लेखक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं।

अदालत का कक्ष अक्सर विरोधाभासों का मंच होता है। यहाँ न्याय की तराजू इस बात पर टिकी होती है कि गवाह के शब्द कितने वजनदार हैं। लेकिन कानूनी गलियारों में एक शब्द अक्सर चर्चा में रहता है- 'पॉकेट गवाह'। यह वह गवाह है जिसे जांच एजेंसियां अपनी सुविधा के अनुसार 'जेब' में रखती हैं, सिखाती हैं और जरूरत पड़ने पर कमजोर केस को सहारा देने के लिए पेश कर देती हैं।

एक वकील के तौर पर मैंने देखा है कि कैसे गढ़ी हुई गवाहियां न्याय की प्रक्रिया को दूषित करती हैं। लेकिन 'डिजिटल इंडिया' के इस दौर में अब खेल बदल रहा है। अब हमारी अदालतों में इंसान से ज्यादा तकनीक बोल रही है।

न्यायपालिका का कड़ा रुख: गवाह या कठपुतली?

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दशकों से पॉकेट गवाहों की संस्कृति पर प्रहार किया है। सतपाल बनाम दिल्ली प्रशासन (1976) से लेकर कर्नाटक राज्य बनाम यारप्पा रेड्डी (1999) तक, अदालतों ने बार-बार चेतावनी दी है कि पुलिस के 'स्टॉक गवाहों' पर आँख मूंदकर भरोसा नहीं किया जा सकता। महेंद्र चावला (2019) के मामले में तो कोर्ट ने यहाँ तक कहा कि गवाह का निष्पक्ष होना अनुच्छेद 21 के तहत उसका मौलिक अधिकार है। अदालतों का स्पष्ट संदेश है- न्याय सुविधा का मोहताज नहीं हो सकता।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023: डिजिटल गवाह को नई शक्ति

नए कानून (BSA2023) ने साक्ष्य की परिभाषा को 21वीं सदी के अनुरूप ढाल दिया है। अब डिजिटल गवाह- जैसे सीसीटीवी फुटेज, व्हाट्सएप चैट और जीपीएस रिकॉर्ड्स- महज सहायक दस्तावेज नहीं, बल्कि मुकदमों की धुरी हैं।

धारा 63:- इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की स्वीकार्यता को सरल और विश्वसनीय बनाया गया है।

धारा 134:- यह कानून का पुराना सिद्धांत है जिसे अब और मजबूती मिली है- गवाहों को तोला जाना चाहिए, गिना नहीं। यानी 10 सिखाए हुए पॉकेट गवाहों पर एक अकेला डिजिटल रिकॉर्ड भारी है।

फॉरेंसिक विस्तार:- धारा 45-51 के तहत अब डिजिटल विशेषज्ञों की भूमिका को कानूनी मान्यता देकर जांच में इंसानी दखल (Manual Manipulation) की गुंजाइश कम कर दी गई है।

तुलना: विश्वसनीयता की कसौटी:- जहाँ एक पॉकेट गवाह भय, लालच या दबाव में अपना बयान बदल सकता है (Hostile Witness), वहीं एक डिजिटल गवाह निष्पक्ष होता है। वह उस समय की स्थिति की सत्य छाप (Impartial Impression) होता है। तकनीक पक्षपाती नहीं होती, वह केवल तथ्यों को प्रस्तुत करती है।

सत्य अब बंधक नहीं रहेगा

पॉकेट गवाह से डिजिटल गवाह तक का यह सफर भारतीय न्याय प्रणाली में पारदर्शिता की एक नई सुबह है। जब साक्ष्य डिजिटल और अकाट्य होंगे, तो जांच एजेंसियों की 'गढ़ने' की शक्ति स्वत: समाप्त हो जाएगी।

मेरा मानना है कि न्याय एक ऐसी ढाल होनी चाहिए जो निर्दोष की रक्षा करे, न कि ऐसा हथियार जो किसी के इशारे पर चले। सत्य को सूरज की तरह चमकना चाहिए, उसे किसी की जेब में दफन होने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

लो अब आ ही गया नया स्वर्णिम काल

व्यंग
सहीराम

वैसे स्वर्णिम तो हमेशा अतीत काल ही रहता आया है जी! अतीत के स्वर्णिम होने के फायदे धर्म से लेकर राजनीति तक फैले हुए हैं। उधर अगर कथावाचक उससे चांदी कूटते हैं तो इधर नेता लोग अतीत को स्वर्णिम बताकर अपनी कुर्सी पक्की करते हैं। भविष्य के हिस्से तो हमेशा उज्जल रहने की कामना ही आती है बस, जबकि वर्तमान को नून, तेल, लकड़ी के फेर में ही खर्च होना होता है। लेकिन अच्छी बात यह हुई है जी कि अब सिर्फ अतीत ही स्वर्णिम नहीं रहा, वर्तमान भी स्वर्णिम हुआ जा रहा है और कामना की जा रही है कि भविष्य भी स्वर्णिम ही होगा।

ऐसे में भूख, गरीबी, बेकारी को अपने आसपास भी न फटकने दें। न उनका जिक्र करें और न ही उन्हें याद करें और जैसे भूत-प्रेत की छाया से बचने के लिए यज्ञ-हवन किए जाते हैं, वैसे ही भूख, गरीबी, बेकारी की छाया से बचने के लिए यज्ञ-हवन टाइप कुछ पूजा-पाठ करा लेना चाहिए। वैसे भी अब ट्रंप के लिए तो इसकी जरूरत बची नहीं, सो अब आहुति इनके लिए दीजिए। खैर जी, हुआ यह है कि सोने की जो चिड़िया अतीत में भी कहीं खो गयी थी, वह अचानक उड़कर हमारे वर्तमान में आ बैठी है और जमकर चहचहा रही है।

सोना एकदम सोना हो गया है और चांदी एकदम चांदी हो गयी है। अब जिनके पास सोना है, उन्हें लगता है कि उनके छूते ही सब सोना हो जाएगा और चांदी वाले तो खैर चांदी कूट ही रहे हैं। वरना कल तक यह माना जाता था कि शेयर-सट्टा बाजार वाले ही चांदी कूट रहे हैं। या फिर यह माना जाता था कि रीयल एस्टेट वाले चांदी कूट रहे हैं। बिल्डरों की बन आयी थी और प्रॉपर्टी डीलर मालामाल हो रहे थे। जमीन पर खेती करने वाले किसान बेशक मिट्टी के साथ मिट्टी हो रहे थे, लेकिन रीयल एस्टेट के धंधे में जमीन सोना थी। फिर किसानों से चाहे उसे मिट्टी के मोल ही क्यों न खरीदा गया हो। शेयर-सट्टे का धंधा तो बेशक उतार-चढ़ावों से भरा हुआ था। फिर वह सभी की समझ में भी तो नहीं आता न। लेकिन रीयल एस्टेट का धंधा तो एकदम चकाचक था। यहां सिर्फ बिल्डरों और प्रॉपर्टी डीलरों के लिए माल नहीं था बल्कि दलालों, बाहुबलियों, पहलवानों, ठेकेदारों, बिचौलियों नेताओं, ठगों सबके लिए काफी माल था।

लेकिन फिर सोने-चांदी की चमक के समक्ष सब कुछ फीका पड़ गया। शेयर-सट्टे का धंधा भी और रीयल एस्टेट- प्रापर्टी का धंधा भी। जिस सोने-चांदी की खरीद को पहले सिर्फ धनतेरस तथा दिवाली जैसे त्योहारों से जोड़कर देखा जाता था, उन्होंने अचानक अर्थव्यवस्था को ऐसे हिला डाला जैसे भूकंप में धरती हिल जाती है। अब हर कोई सोना-चांदी ही खरीदना चाहता है और बस चांदी कूटना चाहता है। नहीं?

संक्षिप्त समाचार

250 जरूरतमंद परिवारों को बांटी खाद्य सामग्री

ग्वालियर। पूज्य सिंध हिंदू जनरल पंचायत द्वारा गठित स्व.श्रीचंद वलेचा द्वारा संस्थापित सिंधु सामाजिक सहायता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वितरित की जाने वाली सहायता सामग्री रविवार को पंचायत कार्यालय, झूलेलाल परमार्थ ट्रस्ट भवन दानाओली में वितरित की गई। सिंधु सामाजिक सहायता चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवानदास लखवानी एवं ट्रस्ट के प्रभारी धनराज दर्रा ने बताया कि सहायता सामग्री में 250 निर्धन परिवारों को आटा, चावल, पोहा, चने की दाल, छोले, नमक की थैली, शक्कर,चाय की पत्ती, बिस्कुट व ब्रेड का पैकेट तथा 100 रुपए नकद वितरित किए गए।

खूब लड़ी मर्दानी महानाट्य ने जीवंत किया दबा इतिहास : कुशवाह

सम्मान समारोह में मंत्री कुशवाह ने महानाट्य के हर कलाकार को 2100 रुपए देने की घोषणा की

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

बाल कलाकारों का राष्ट्र निर्माण में योगदान गौरव का विषय है। खूब लड़ी मर्दानी महानाट्य के माध्यम से दबा हुआ इतिहास उभरकर सामने आ गया है। इस महानाट्य ने रानी लक्ष्मीबाई की वीर गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है।

यह बात मप्र के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कही। वे वंदे मातरम् समूह, संस्कार भारती ग्वालियर एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान स्मारक समिति द्वारा आयोजित कला दर्शन सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। नई सड़क स्थित राष्ट्रोत्थान न्यास भवन में आयोजित कार्यक्रम में महानाट्य में भूमिका निभाने वाले

250 युवा कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस दौरान मंत्री श्री कुशवाह ने खूब लड़ी मर्दानी महानाट्य के प्रत्येक कलाकार को 2100 रुपए देने की घोषणा भी की।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि वंदे मातरम् समूह के संरक्षक यशपाल सिंह तोमर, महाराज छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राकेश कुशवाह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कार भारती के लोक कला प्रमुख निरंजन पंडा ने की। कार्यक्रम में संस्कार भारती अध्यक्ष डॉ. संजय धवले विशेष तौर पर मौजूद रहे।

समूह का प्रतिवेदन समूह अध्यक्ष चन्द्र प्रताप सिकरवार ने प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण उपाध्यक्ष नारायण पिरोनिया ने दिया। कार्यक्रम का संचालन नियति राजपूत एवं शैलजा सिंह ने तथा आभार डॉ. रुबी गुप्ता ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अतुल अधोलिया, डॉ. वीपीएस जादौन, राजेश कटारे, रामसेवक, तेज प्रताप, शिव नायक, शेखर दीक्षित आदि मौजूद रहे।

सभी को कंठस्थ होना चाहिए वंदे मातरम्

संस्कार भारती के लोक कला प्रमुख निरंजन पांडा ने कहा कि वंदे मातरम् गीत को 150 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। यह याद रखें कि वंदे मातरम् महज गीत नहीं है, इसके अंदर भी प्राण हैं। आने वाले समय में हर वर्ग की जुबां पर संपूर्ण वन्देमातरम् कंठस्थ होना चाहिए।

इनका हुआ सम्मान

कला गुरु सम्मान : शिवांगी कटारे, मोनिका श्रीवास्तव, शिखा सोनी, विवेक राजावत, रिपु सूदन झा, नारायण पिरौनिया, ओम प्रकाश माहौर, जितेंद्र भारद्वाज, डॉ. रुबी गुप्ता, कुलदीप शर्मा, दीपा तिवारी, अंकित माथुर, तेज प्रताप सिंह, एकात्मता शर्मा, उमेश शर्मा, प्रवीण अग्रवाल, उत्तम पाठक, मनीष माझी, श्याम सुंदर गोयल, विकास सेन को दिया गया।

नृत्य प्रतियोगिता

इसके साथ ही नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रुही शर्मा, द्वितीय स्थान पर धन्वी मिश्रा, तृतीय स्थान पर यशवी राजा बुंदेला रहीं, जूनियर वर्ग में मंत्रिता शर्मा प्रथम, वैष्णवी शर्मा द्वितीय, अनन्या जाधव तृतीय स्थान पर रहीं, सीनियर वर्ग समूह में एल्सा कटारे प्रथम, लक्ष्मी कानाडे द्वितीय स्थान पर एवं नियति राजपूत तृतीय स्थान पर रहीं। इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ छात्रा का पुरस्कार सक्षम सोनी एवं राशि पिरोनिया को दिया गया।

दो दिन में जॉन अब्राहम बनने की कोशिश न करें: डॉ. जमाल यूसुफ

चार सौ से अधिक हृदय रोगियों का परीक्षण कर दिया परामर्श

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जमुना बाई मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को महावीर भवन कंपू पर हृदय रोग परीक्षण शिविर में जीबी पंत अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. यूसुफ जमाल ने चार सौ से भी अधिक मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया। शिविर सुबह 10 बजे स्व. श्रीमती अंशारानी अग्रवाल के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। स्वागत भाषण ट्रस्ट के सचिव संजीव अग्रवाल कुक्कू ने दिया। डॉ. जमाल ने कहा कि सर्दियों में नसें सुकड़ने से बीपी बढ़ जाता है जिससे हृदयाघात का खतरा रहता है इसलिए अपनी जीवनशैली में सुधार और समय पर परीक्षण एवं उपचार से बचा जा सकता है।

35 वर्ष से कम आयु के युवाओं में जंक फूड, बीड़ी, सिगरेट तंबाकू एवं शराब का सेवन घातक है। जहां तक व्यायाम से खतरे की बात है तो हमें उतना ही व्यायाम करना चाहिए जितना शरीर गवारा करे, दो दिन में जॉन अब्राहम बनने की कोशिश न करें। उन्होंने कुक्कू की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह दिल के अच्छे इंसान हैं। इस अवसर पर लहार विधायक अबरीश शर्मा, सभापति मनोज तोमर, पूर्व विधायक रामवरन सिंह गुर्जर, चेंबर अध्यक्ष डॉ प्रवीण अग्रवाल, उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, संदीप नारायण अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, विजय गर्ग, पारस जैन, अभिषेक चतुर्वेदी, पुरुषोत्तम गुप्ता पप्पू, शरद गोयल, मोहन माहेश्वरी सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। संचालन पूर्व कोषाध्यक्ष वसंत अग्रवाल ने किया। सायं 4 बजे तक चले शिविर में चार सौ से अधिक मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया।

दर्शन सिंह मार्ग पर विद्यार्थियों ने की वॉल पेंटिंग

कलाकृतियों से दिया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा रविवार को दर्शन सिंह मार्ग मेला ग्राउंड के पीछे वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर दीवारों पर सुंदर-सुंदर कलाकृतियां उकेरीं और स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण व शिक्षा का संदेश दिया।

सुबह 9 बजे से ही विद्यार्थी बड़ी संख्या में वॉल पेंटिंग के लिए स्थल पर पहुंच गए थे। विद्यार्थियों ने पहले स्केच के माध्यम से डिजाइन तैयार किए, इसके बाद रंगों से दीवारों को आकर्षक रूप दिया। लगभग 10 फीट ऊंची दीवार पर पेंटिंग करने के लिए नगर निगम द्वारा टेबल आदि की समुचित व्यवस्था की गई थी।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नगर निगम द्वारा सभी कलाकारों को रंग, ब्रश एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई थी।

इन प्रतिभागियों को मिला पुरस्कार

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सोमाभा सेन को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिन्हें 5100 रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान पर कुलदीप राजौरिया एवं भव्य गुर्जर रहे, जिन्हें 3100 रुपए का पुरस्कार मिला। तृतीय स्थान अमृता धाकड़ एवं अनिकेत को मिला, जिन्हें 2100 रुपए प्रदान किए गए। इसके अलावा सभी प्रतिभागियों को 500 रुपए एवं प्रशस्ति पत्र दिए गए। पुरस्कार अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर नोडल अधिकारी मुकेश बंसल सहित आईसी की टीम मौजूद रही।

प्रतियोगिता में किसी प्रकार का विषय निर्धारित नहीं किया गया था। छात्रों ने अपनी कल्पनाशक्ति के अनुसार पेंटिंग बनाई। किसी ने शिक्षा का संदेश देते हुए स्कूल जाते बच्चों का चित्र बनाया, तो किसी ने प्रदूषण-मुक्त आकाश, उड़ते पक्षी, हरे-भरे जंगल और वन्यजीवों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं कई विद्यार्थियों ने जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश देते हुए स्वच्छ नदियों और कचरा टिपर वाहन में डालते कचरे के चित्र उकेरे।

हिंदू महासभा का विस्तार, चंद्रशेखर दंडवते बने जिला महामंत्री

ग्वालियर। अखिल भारत हिंदू महासभा की ग्वालियर जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिला अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता की अनुशंसा पर नई नियुक्तियां घोषित की हैं। जिला उपाध्यक्ष पद पर रामकिशन राठौर, श्याम श्रीवास्तव, ब्रह्मदास शास्त्री, अशोक कुमार शर्मा और डॉ. मुन्नालाल शर्मा को मनोनीत किया गया। सुप्रसिद्ध गंगाधर दंडवते के पुत्र चंद्रशेखर दंडवते को जिला महामंत्री, देवेंद्र कुमार पाठक को जिला संगठन मंत्री बनाया गया। जिला मंत्री के रूप में आनंद माहौर, हेमराज जाटव, धर्मेंद्र बरेलिया, राहुल गुप्ता तथा कार्यालय मंत्री योगेंद्र दीक्षित नियुक्त हुए। महिला हिंदू महासभा की जिला अध्यक्ष सरला शर्मा एवं जिला महामंत्री प्रीति नागर बनाई गईं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जयवीर भारद्वाज ने नशा मुक्ति और शस्त्र-शास्त्र शिक्षा का संकल्प दिलाया। महिला इकाई ने मंत्री करण वर्मा से इस्तीफा मांगा। संचालन सुमन देवी ने एवं आभार पवन गुप्ता ने व्यक्त किया।

विकास सलाहकार समिति से अशोक सिंह को बाहर रखना दुर्भाग्यपूर्ण

ग्वालियर। विकास के लिए गठित की गई जिला विकास सलाहकार समिति में प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर, सांसद, मंत्री, विधायक सहित अनेक जनप्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, लेकिन राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह को समिति में शामिल नहीं किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर भाजपा सरकार के इस रवैये पर आपत्ति दर्ज कराते हुए मांग की है कि ग्वालियर के विकास एवं हित के लिए राज्यसभा सांसद अशोक सिंह को तत्काल सलाहकार समिति में शामिल किया जाए। श्री यादव ने कहा कि ग्वालियर के विकास के लिए गठित किसी भी सलाहकार समिति में यदि ग्वालियर के राज्यसभा सदस्य जैसे वरिष्ठ और अनुभवी प्रतिनिधि को ही शामिल नहीं किया गया, तो ऐसी समिति को पूर्ण और संतुलित कैसे माना जा सकता है। यह सीधे-सीधे ग्वालियर के साथ अन्याय है।

क्रिएटिव हाउस की कमान भाखर के हाथ, अग्रवाल व मुदगल सह संयोजक बने

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स के चुनाव सिर पर आते ही व्हाइट हाउस के बाद अब क्रिएटिव हाउस भी सक्रिय हो गया है। रविवार को होटल सेलिब्रेशन इन में क्रिएटिव हाउस की बैठक आयोजित की गई। जिसमें वरिष्ठ व्यवसाई राधेश्याम भाखर को संयोजक और ओमप्रकाश अग्रवाल एवं महेश मुदगल को सह संयोजक बनाया गया। यानी कि व्हाइट हाउस से मोर्चा लेने के लिए यह तीनों रणनीति बनाने के साथ प्रत्याशी चयन में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसके लिए यह 11 सदस्यीय कोर कमेटी गठित कर बैठक आयोजित करेंगे। यहां बता दें कि अब तक चेंबर के पूर्व अध्यक्ष विष्णु प्रसाद गर्ग संयोजक थे और दबंगई से निर्णय लिया करते थे। उनके निधन के बाद क्रिएटिव हाउस सदमे में थी इसलिए लंबी प्रतीक्षा के बाद बैठक की गई। बैठक में फिलहाल प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा के बजाय हाउस से जुड़े लोगों को मनाने पर बात उठी, ताकि व्हाइट हाउस से दमदारी से मुकाबला किया जा सके। दो सदस्यों ने वरिष्ठ सदस्य रामनिवास अग्रवाल को मनाने की बात की तो एक पदाधिकारी ने यह कहकर विरोध किया कि वह दूसरे हाउस से विजयी हुए अध्यक्ष के कोटे से कार्यकारिणी में आ गए हैं, ऐसे में उन्हें अपना कैसे माना जा सकता है। इसी तरह एक बाजार से गबन मामले में निष्कासित व्यापारी को बुलाए जाने पर आपत्ति दर्ज की गई। बैठक में विजय गोयल, हेमंत गुप्ता, सुरेश बंसल, जगदीश मित्तल, गोकुल बंसल, दीपक जैन, पुरुषोत्तम गुप्ता,नरेन्द्र मंगल,किशन मुदगल, विजय कब्जू आदि उपस्थित रहे।

बकरी पालन से आत्मनिर्भर बने परमाल सिंह

ग्वालियर। सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार योजनाएं आज ग्रामीण युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव साबित हो रही है। पढ़े-लिखे युवाओं को सरकारी नौकरी के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहा है। इन योजनाओं का लाभ उठाकर ग्वालियर जिले के ग्राम दुरसेंडी निवासी परमाल सिंह जाटव ने बकरी पालन को अपनाकर अपनी पहचान बनाई है। घाटीगांव विकासखंड के ग्राम दुरसेंडी निवासी परमाल सिंह ने पशुपालन विभाग के मार्गदर्शन में बकरी पालन के लिए ऋण प्रकरण तैयार कराया। पशुपालन विभाग के सहयोग से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, घाटीगांव शाखा से उन्हें 77 हजार 456 रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ, जिसमें 60 प्रतिशत अनुदान शासन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। इस राशि से उन्होंने 10 बकरियों एवं एक बकरे की इकाई स्थापित की। निरंतर मेहनत, सही प्रबंधन और पशु चिकित्सा विभाग के तकनीकी सहयोग से आज परमाल सिंह के पास 25 बकरियां हैं। उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है।

रागायन में बिखरे बसंत-फागुन के सुरमयी रंग

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर की प्रतिष्ठित सांगीतिक संस्था रागायन की मासिक संगीत सभा रविवार को सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में सुर, लय और भाव के अनुपम संगम के साथ सम्पन्न हुई। बसंत और फागुन की रागात्मक छवियों से सजी इस सुरसभा में ध्रुपद, ख्याल और बांसुरी वादन की सजीव प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूर्णतः सुरमय कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री ध्यानेन्द्र सिंह तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला के पीठाधीश्वर एवं रागायन के अध्यक्ष स्वामी रामसेवकदास जी ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ध्यानेन्द्र सिंह ने कहा कि शास्त्रीय संगीत के प्रति युवा पीढ़ी में पुनः जाग्रत हो रहा है यह आकर्षण

हमारी सांस्कृतिक परंपरा की सशक्तता का प्रमाण है।

सभा की प्रथम प्रस्तुति ग्वालियर की युवा ध्रुपद गायिका सुश्री यखलेश बघेल द्वारा दी गई। उन्होंने राग गूजरी तोड़ी में ध्रुपद गायन की सुमधुर एवं गम्भीर प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आलाप, मध्यलय आलाप एवं द्रुत आलाप के माध्यम से राग का विस्तार करते हुए उन्होंने दो सशक्त बंदिशें-आज ब्रजराज होली खेलत हैं तथा तेरो बल प्रताप प्रस्तुत कीं। पखावज पर जगतनारायण शर्मा की ओजपूर्ण संगत ने गायन को विशेष गरिमा प्रदान की। इसके पश्चात यशवंत गिरी गोस्वामी ने अपने सधे हुए बांसुरी वादन से सभा को और भी सुरमयी बना दिया।

न्होंने राग शुद्ध सारंग तथा राग पटदीप में दो मनोहारी रचनाएं प्रस्तुत की। तबले पर सुजल जैन की संवेदनशील संगत ने वादन को सुचारु प्रवाह दिया। सभा का समापन पुणे से आईं उर्वशी शाह के शास्त्रीय गायन से हुआ। उन्होंने राग वृन्दावनी सारंग में एकताल में निबद्ध विलम्बित बंदिश न मानूं सखी री तथा तीनताल में द्रुत बंदिश देखो सखी करत मोसे अब को अत्यंत भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया। श्रोताओं को आत्मिक शांति का अनुभव कराते हुए उन्होंने गायन का समापन एक निर्गुणी भजन से किया। तबले पर डॉ. अरुण धर्माधिकारी तथा हारमोनियम पर अक्षत मिश्रा ने प्रभावशाली संगत प्रदान की। कार्यक्रम का सुरुचिपूर्ण संचालन संजय देवले ने किया।

जीवाजी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

'नवाचार तभी सार्थक है जब वह सामाजिक सरोकारों से जुड़ा हो'

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

नवाचारी समाधान केवल तकनीक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सोच, रणनीति और कार्यप्रणाली में परिवर्तन से ही वास्तविक नवाचार संभव होता है। शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उद्योग, समाज और नीति-निर्माण के बीच सेतु बनकर व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करने की भी होनी चाहिए।

सतत् विकास तभी संभव है जब संगठन नवाचार को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाएं। आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में वही संस्थान टिके रह सकते हैं जो संसाधनों का

विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हों और समाज के व्यापक हित में निर्णय लें। नवाचार तभी सार्थक है जब वह सामाजिक सरोकारों से जुड़ा हो। शोध व अकादमिक विमर्श इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह बात रविवार को वक्ता के रूप में आरडीवीवी जबलपुर के प्रो.आशीष शर्मा ने जीवाजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन मैनेजमेंट द्वारा समकालीन प्रबंधन के लिए सतत व्यावसायिक प्रथाएं नवाचारी समाधानों की खोज विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि कही।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जेयू के कुलगुरू डॉ.राजकुमार आचार्य ने कहा कि सतत व्यावसायिक प्रथाएं आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय संगोष्ठियां शिक्षकों, शोधार्थियों और उद्योग जगत के बीच सेतु का कार्य करती हैं।

कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा ने कहा कि जीवाजी विश्वविद्यालय निरंतर गुणवत्ता आधारित शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे रहा है। प्रो. राजेन्द्र खटीक ने कहा कि संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों से यह स्पष्ट होता है कि युवा शोधार्थी और शिक्षाविद् सतत विकास लक्ष्यों को लेकर गंभीर और जागरूक हैं। प्रो.एस.के. सिंह ने कहा कि आज के प्रबंधन विद्यार्थियों को केवल सिद्धांत ही नहीं, बल्कि नवाचारी सोच, समस्या समाधान क्षमता और सामाजिक दायित्व की समझ भी विकसित करनी होगी।

डॉ. स्वर्णा परमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी वैश्विक परिवेश में प्रबंधन की सफलता सतत विकास, नैतिक मूल्यों और नवाचार के समन्वय पर निर्भर करती है। यह संगोष्ठी पीएम-उषा योजना के अंतर्गत आयोजित की गई। समापन दिवस पर दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 20 से अधिक शोध पत्रों का वाचन हुआ। वहीं दो दिवसीय संगोष्ठी में 50 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

युवाओं ने पेश किए नवाचार उद्यमशीलता को मिला मंच

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्टार्ट-अप पिच एरिना में युवाओं ने टेक्नोलॉजी, एजुकेशन, सोशल इम्पैक्ट और बिजनेस सॉल्यूशंस से जुड़े स्टार्टअप आइडियाज प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में नवाचार, टीम वर्क, समस्या समाधान क्षमता और प्रेजेंटेशन स्किल्स को विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में निर्णायक एवं अतिथि के रूप में शिक्षाविद् सलोनी खंडेलवाल, सीए सम्यक जैन, युवा उद्यमी गौरव जैन और उद्योगपति पारस जैन मौजूद रहे। अतिथियों ने प्रतिभागियों के विचारों की सराहना करते हुए उन्हें व्यावहारिक स्तर पर

आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए गए, जबकि विजेता टीमों को नकद पुरस्कार और मोमेंटो प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में यंग इंडियन्स (कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज की युवा इकाई) का विशेष सहयोग रहा। संयोजक आकाश त्रिपाठी एवं जयेश श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था भविष्य में भी युवाओं को ऐसे मंच उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर प्रतीक मंगल, आकाश बरुआ, लावण्या शर्मा, कल्पना मुद्गल, धीरज राठौड़, सुहाना खान, अरमान खान, अंशुल मिश्रा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

वार्नर ब्रदर्स ने यूट्यूब पर रिलीज कीं 31 फिल्में, दर्शक मुफ्त में उठा सकते हैं लुत्फ

वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने यूट्यूब पर 31 फिल्में मुफ्त में स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध कराई हैं। फिल्मों को बिना किसी सदस्यता या भुगतान के देखा जा सकता है। यह निर्णय उस कंपनी की ओर से आया है, जिसे 2021 में डिस्कवरी और वार्नरमीडिया के विलय के बाद से रचनात्मक परियोजनाओं के संचालन के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। इसका नेतृत्व सीईओ डेविड जस्लाव कर रहे हैं। वार्नर ब्रदर्स एंटरटेनमेंट ने अपनी 31 से अधिक फुल-लेंथ वाली फिल्मों को अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर मुफ्त स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध करा दिया है। इस चयन में विभिन्न युगों की पुरानी हिट, पंथिक क्लासिक्स और कुख्यात फ्लॉप फिल्मों का मिश्रण शामिल है। खास बात यह है कि इनमें से अधिकांश फिल्में वार्नर ब्रदर्स के अपने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म मैक्स पर उपलब्ध नहीं हैं। इस निर्णय के पीछे का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है।

यूट्यूब पर अब जो फिल्में मुफ्त में देखी जा सकती हैं, वे विभिन्न शैलियों और दशकों की हैं। कुछ शीर्षकों में माइकल कोलिन्स (1996), वेटिंग फॉर गफमैन (1996), द मिशन (1986) और डेथट्रैप (1982) शामिल हैं। इस सूची में 2000 की डंगऑन्स एंड ड्रैगन्स फिल्म, बॉबकैट गोल्डथवेट की हॉट टू ट्रॉट (1988) और एडी मर्फी की द एडवेंचर्स ऑफ प्लूटो नैश (2002) जैसी फ्लॉप फिल्में भी शामिल हैं। अन्य फिल्मों में मार्लन ब्रैंडो की म्यूटिनी ऑन द बाउंटी और डेविड बर्न की ट्रू स्टोरीज शामिल हैं।

टॉलीवुड

'हिट: द थर्ड केस' के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग करने के लिए तैयार नानी

साउथ के नेचुरल स्टार नानी मार्च तक अपनी आगामी फिल्म हिट 3 की शूटिंग पूरी करने के लिए तैयार हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म मई में रिलीज होगी। साउथ के नेचुरल स्टार नानी इस समय कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं और उनकी आने वाली फिल्म 'हिट: द थर्ड केस' काफी चर्चा बटोर रही है। इन दिनों नानी अपनी फिल्म 'हिट 3' की शूटिंग में व्यस्त हैं। कुछ समय पहले ही फिल्म की शूटिंग के कश्मीर शेड्यूल से अभिनेता की एक तस्वीर वायरल हुई थी। वहीं, अब इसकी शूटिंग पर नया अपडेट सामने आया है। नानी ने अपनी फिल्म की शूटिंग काफी हद तक पूरी कर ली है। अब खबर है कि नानी मार्च, 2025 तक फिल्म का फिल्मांकन पूरा कर लेंगे। शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित हिट 3 में नानी ने अर्जुन सरकार की भूमिका निभाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का एक लंबा शेड्यूल शिमला और अन्य उत्तर भारतीय क्षेत्रों में शूट किया गया है। अभिनेता और फिल्म की टीम अगले महीने में अंतिम शेड्यूल शुरू कर सकते हैं और फिल्म को खत्म कर सकते हैं।

क्रिसमस 2024 पर नानी ने हिट 3 से अर्जुन सरकार के रूप में अपना पहला लुक साझा किया था। फोटो में उन्हें एक अनोखे सॉल्ट-एंड-पेपर हेयरस्टाइल और दाढ़ी में देखा गया था, जिसने प्रशंसकों और दर्शकों का ध्यान खींचा। 'हिट 3' लोकप्रिय हिट फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। नानी 'हिट' फ्रेंचाइजी में शामिल होने वाले तीसरे अभिनेता हैं, जिसमें पहले विश्वक सेन और अदिवी सेश जैसे अभिनेताओं ने अभिनय किया था। नानी के अलावा फिल्म में श्रीनिधि शेट्टी भी मुख्य भूमिका में होंगी। इससे पहले इंस्टाग्राम पर अपने लुक का परिचय देते हुए नानी ने लिखा, 'पुलिस कम। अपराधी ज्यादा। अर्जुन सरकार ने कार्यभार संभाला। 'नानी 32' अब 'हिट द थर्ड केस है'।

छॉलीवुड

'लूप लपाटा' के बाद विकास लेकर आ रहे 'मदाड़ी' फिल्म, आज होगा मुहूर्त

गणेश इंटरटेनमेंट के बेनर तले बनने वाली छत्तीसगढी फिल्म मदाड़ी का शुभ मुहुर्त 9 फरवरी को दोपहर 12 बजे सिद्धि माता मंदिर सन्डी बेमेतरा में होने जा रहा होगा। डायरेक्टर विकास चन्द्रवंशी और निर्माता गणेश कौशिक फिल्म के निर्माता गणेश कौशिक ने बताया कि इस फिल्म में भूनेश साहू, तनु प्रधान, महावीर सिंह चौहान, छत्तीसगढी और भोजपूरी फिल्म के प्रसिद्ध अभिनेता एवं गीतकार शमशीर सिवानी, चरित्र अभिनेत्री श्वेता शर्मा, सुरेश लहरे, रिंकू पटेल, नारायण लहरे सहित छॉलीवुड के अन्य सुप्रसिद्ध कलाकार इस फिल्म में अभिनय करने जा रहे है।

डायरेक्टर विकास चंद्रवंशी इससे पहले भी एक छत्तीसगढी फिल्म 'लूप लपाटा' का निर्देशन कर चुके है जिसमें छॉलीवुड के चर्चित अभिनेता भुनेश साहू जहां नायक की भूमिका निभा चुके है, वही छॉलीवुड हिरोईन तनु प्रधान, प्रतिभा चौहान, मनीषा साहू मायरा के साथ ही छत्तीसगढी फिल्मों के अन्य चर्चित कलाकारों ने अपने अभिनय का जलवा दिखाया है। यह फिल्म भी अतिशीघ्र प्रदेश के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। प्रोडक्शन हेड प्रदीप मानिकपुरी है।

डेनिम शर्ट और स्ट्रॉ हैट

लाइफ स्टाइल

मशहूर मॉडल राल्फ लॉरेन का फैशन स्टाइल पर पूरा ध्यान रहता है। रंगीन धारीदार शर्ट, खाकी ट्रेंच कोट, लिनन पैंट, चैम्ब्रे और डेनिम के कपड़े उनके शो का हिस्सा रहते हैं। हाल ही में उन्होंने डेनिम शर्ट और स्ट्रॉ हैट के साथ पेरिस फैशन वीक में तहलका मचा दिया।

कैसे कम होगी दोमुंहे बालों की समस्या, जानें घरेलू नुस्खे

बालों को दोमुंहे होने से बचाने के लिए आप भी एक्सपर्ट द्वारा बताई गईं इन घरेलू टिप्स को ट्राई करके देख सकती हैं। त्वचा की तरह बालों में भी विभिन्न समस्याएं होती है। किसी के बाल रूखे होते हैं, तो किसी के ऑयली। किसी को बालों में वॉल्यूम कम होने की शिकायत होती है, तो किसी को पतले बालों की टेंशन होती है। इन सबके अलावा बालों के दोमुंहे होने की समस्या भी बेहद आम है। यदि आप बालों की ठीक से केयर नहीं कर रही हैं और बालों तक उचित पोषण नहीं पहुंच रहा है तो बालों का दोमुंहा होना तय है। हालांकि, आप इसकी रोकथाम पर काम कर सकती हैं और कुछ घरेलू नुस्खों को अपना कर इस समस्या से मुक्ति पा सकती है। हमने दोमुंहे बालों की समस्या के निदान ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से पूछे हैं। रेनू जी कहती हैं, ॅबालों में प्रोटीन की उचित मात्रा पहुंचती रहे तो यह बहुत जरूरी है और हमारी रसोई में ही आपको ऐसे बहुत सारी सामग्रियों मिल जाएंगी, जो बालों पर प्रोटीन ट्रीटमेंट का काम करेंगी।

बाल हो जाते हैं कमजोर

बालों की लेंथ के अंत में या उससे कुछ ऊपर, जब एक ही बाल के दो मुंह दिखने लगे, तो इस स्थिति को दोमुंहे बाल कहा जाता है। यह समस्या बालों के लुक को ही खराब नहीं करती है, बल्कि बालों कमजोर बनाती है और कई बार बाल बीच से टूटना शुरू हो जाते हैं। यह स्थिति बालों को बहुत ज्यादा भद्दा दिखाती है।

क्यों हो जाते हैं बाल दोमुंहे?

बालों के दोमुंहे होने के कई कारण होते हैं। यदि आपके बाल बहुत

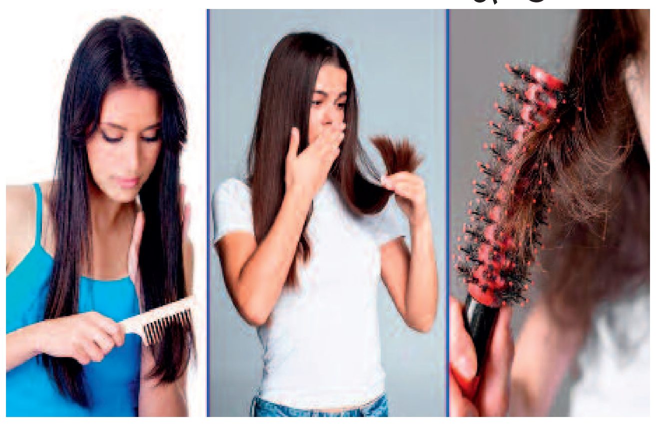

अधिक ड्राई हैं, तो दोमुंहे बालों के होने की संभावना बढ़ जाती है। बालों में आप यदि बहुत अधिक केमिकल ट्रीटमेंट कराती हैं या फिर हीट इक्युपमेंट का इस्तेमाल करती हैं, तो आपको दोमुंहे बालों की दिक्कत हो सकती है। बालों में आप यदि सन प्रोटेक्शन का इस्तेमाल नहीं करती हैं, तो इससे भी आपको दोमुंहे बालों की दिक्कत हो सकती हैं।

घरेलू उपाय

सप्ताह में कम से कम आपको 2 बार बालों में नारियल का तेल लगाना चाहिए। इससे आपके बालों में मॉइश्चर भी रहता है और बालों में प्रोटीन की भी उचित मात्रा पहुंच जाती है। बेस्ट है कि आप रात में सोने से पहले बालों में नारियल का तेल लगा लें। इसके बाद आप सुबह बालों को शैंपू से वॉश कर दें।

वेस्टर्न ड्रेस के साथ ये चूड़ी डिजाइन पहनने के बाद हाथ लगेंगे खूबसूरत

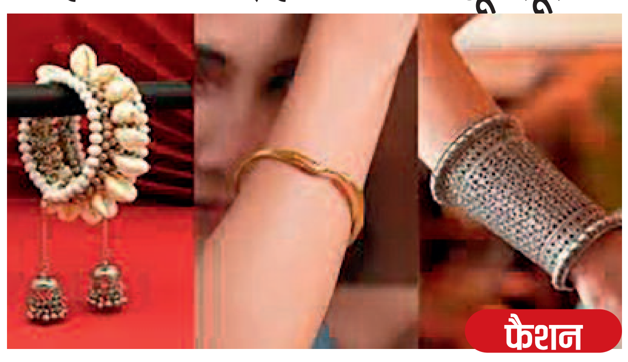

फैशन

अगर आपको हाथ खाली-खाली नजर आ रहे हैं तो इसके लिए आप वेस्टर्न वियर के साथ आप आर्टिकल में बताए गए चूड़ी डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। वेस्टर्न आउटफिट्स को स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसके साथ हम कई तरह के अलग-अलग डिजाइन के कपड़े और एक्सेसरीज को स्टाइल करते हैं, ताकि आउटफिट भी अच्छा लगे और हमारा लुक भी सबसे अलग नजर आए। लेकिन हाथों में हम सिर्फ घड़ी ही पहनते हैं। इस बार घड़ी को हटाकर हाथों में आर्टिकल में बताई गई चूड़ियों को ट्राई करें। इससे आपके हाथों की सुंदरता में चार चांद लग जाएंगे।

हैंडकफ बैंगल्स

आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ हैंड कफ बैंगल्स वियर कर सकती हैं। इस तरह की बैंगल्स दिखने में काफी स्टाइलिश लगती हैं लेकिन पहनने के बाद लुक को एलीगेंट बना देती हैं। इसमें एक के साथ साड़ी चूड़ियां जुड़ी हुई होती हैं। जिसे आप जाल भी कह सकते हैं। इसे आप कड़े की तरह हाथों में डाल सकती हैं और हाथों में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरीके की चूड़ियां आपको मार्केट में 100 से 200 रुपये में मिल जाएगी।

गोल्डन बैंग्लस सेट

गोल्डन चूड़ियों को भी आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की चूड़ियां गाउन, वन पीस ड्रेस यहां (ऑक्सीडाइज्ड बैंग्लस) तक की जींस और टॉप के साथ अच्छी लगती हैं। इसमें आप चाहे तो सिल्वर कलर के चूड़ी के ऑप्शन को भी ट्राई कर सकती हैं, इसमें जो चूड़ियां मिलती हैं वो मेटल में आती हैं इसलिए ये ज्यादा लंबे समय तक चलती हैं। मार्केट से ये आपको 200 से 250 रुपये में मिल जाएगी।

कोड़ी वाली चूड़ियां

अगर आप कुछ बोहो स्टाइल की वेस्टर्न ड्रेस वियर कर रही हैं तो इसके साथ आप कोड़ी बैंगल्स को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के डिजाइन (कड़ा डिजाइन) की चूड़ियां आजकल काफी ट्रेंड में है। इसमें आपको मल्टीकलर कोड़ी और व्हाइट हर तरह की कोड़ी मिल जाएगी। जिसे आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं।

मेकअप करने के बाद चेहरे पर होने लगती है खुजली, तो एक्सपर्ट से जानिए समस्या

हर लड़की को मेकअप करना काफी पसंद होता है। इसलिए वो अलग-अलग तरीके के प्रोडक्ट को खरीदती हैं और उन्हें ट्राई करती हैं। कई बार ऐसा होता है कि वो महंगे-महंगे प्रोडक्ट को खरीदती हैं ताकि जब चेहरे पर अप्लाई करें तो वो खूबसूरत नजर आए। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि मेकअप के इस्तेमाल के बाद चेहरे पर खुजली होनी शुरू हो जाती है, जिसे हम इग्नोर कर देते हैं। मगर आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना है, वरना आपकी स्किन डैमेज हो सकती है, साथ ही आपको तुरंत एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए।

ऐसे ही एक एक्सपर्ट ने अपनी राय हमारे साथ शेयर की जिनका नाम शीना जे कौर है, आपको बता दें कि ये एक फेमस मेकअप आर्टिस्ट हैं जो अक्सर ऐसी वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं। आप भी जानें इनके बताए गए तरीके।

स्किन टाइप का रखें ध्यान

जब भी आप मेकअप खरीदने जाएं तो सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि वो किसी ब्रांड का हो। ऐसा इसलिए क्योंकि

लोकल प्रोडक्ट के इस्तेमाल से आपकी स्किन पर एलर्जी हो सकती है। इन्हें लगाने के बाद खुजली और जलन पैदा हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप स्किन टाइप का ध्यान रखकर ही प्रोडक्ट की खरीदारी करें, ताकि जब आप स्किन पर इसे अप्लाई करें तो उसके बाद खुजली महसूस न हो।

ब्रश को रखें साफ

मेकअप करने के लिए हम ब्लेंडर और ब्रश का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इन्हें साफ करना अक्सर भूल जाते हैं। लेकिन ऐसी गलती (मेकअप टिप्स) न करें इससे आपकी स्किन डैमेज हो सकती है।

फ्रंट नेकलाइन के लिए ट्राई करें ब्लाउज के ये डिजाइंस, लुक लगेगा खूबसूरत

ब्लाउज आजकल हर एक आउटफिट के साथ स्टाइल किया जाता है। चाहे वो ओपन जैकेट वाले आउटफिट्स हो या फिर साड़ी। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन को ट्राई करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि रेडीमेड ब्लाउज खरीदने पर हमें उसमें सेम डिजाइन मिलते हैं। जिन्हें वियर करके हम बोर हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप कुछ नए डिजाइन को ट्राई करें, जिसमें फ्रंट नेक का डिजाइन अलग तरीके से बनाया हो, इसके लिए आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं और ब्लाउज को सिलवाते समय कुछ नया डिजाइन क्रिएट करा सकती हैं।

इल्यूजन ब्लाउज डिजाइन

इल्यूजन के जरीए चीजें दिखती हैं ऐसा कई बार सुना होगा। लेकिन ब्लाउज में भी इस तरह के डिजाइन को भी क्रिएट किया जाता है। इसके लिए मोटे फेब्रिक का इस्तेमाल करके नीचे के ब्लाउज को तैयार किया जाता है। फिर नेक पर नेट का इस्तेमाल करके इसे राउड नेक की तरह डिजाइन किया जाता है। इस तरीके के ब्लाउज को इल्यूजन ब्लाउज डिजाइन कहते हैं। इसमें आप चाहे तो सिंपल नेट ले सकती हैं वरना वर्क वाली नेट भी आपको मिल जाती है, जिससे आप ब्लाउज तैयार करा सकती हैं।

ऐसा जरूरी नहीं है कि सिर्फ ब्लाउज के बैक पर ही डिजाइन क्रिएट किया जाता है। आप फ्रंट नेक पर भी डिजाइन (सूट डिजाइंस) को क्रिएट करा सकती हैं। इसके लिए आफ लीफ डिजाइन को बना सकती हैं जिसकी शेप आपको इस फोटो में देखने को मिल जाएगी।

कार्नर न्यूज

तैयारी वैलेंटाइन डे की, जान लें जरूरी टिप्स

बनाएं खुद को अट्रैक्टिव और फैशन के जादू से अपनी लेडी लव को लाएं करीब

पुरुष कैसे कपड़े पहनें जो लड़कियों को देखने में अट्रैक्टिव लगें? ज्यादातर पुरुषों के दिमाग में ऐसे सवाल आते हैं। क्योंकि हम अच्छी तरह से ड्रेस अप अपने आप को निखारने के लिए करते हैं। यही बात आपको हजारों की भीड़ में किसी के लिए खास बना देती है। इसलिए फैशन सेंस को महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर, अगर आप डेटिंग की सोच रहे हैं या अपनी क्रश को इंप्रेस करना चाहते हैं तो ये और भी महत्वपूर्ण बन जाता है। क्योंकि आप उसके करीब रहना चाहते हैं और उसे अपने पास बनाए रखना पसंद करते हैं।

ट्रेंडी ड्रेस पहनें

फैशन हर साल बदलता है। इसलिए सबसे पहले सीजन का खास ख्याल रखें। गर्मी के मौसम में ट्रेंडी समर ड्रेस पहनें। इसके अलावा सर्दी में विंटर ड्रेस पहनें। मगर पुरानी ड्रेस को अलविदा कहना होगा। आपको अपने वार्डरोब में कुछ नए कपड़े शामिल करने होंगे।

जैसे- कई लड़के अपनी गर्मी की टी-शर्ट को बदलने का नाम नहीं लेते। कम से कम 3-4 साल तक उसको पहनते रहते हैं। ऐसे में उस कपड़े से नई जैसी चमक चली जाती है जिससे आप डल दिखाई देते हो। इसलिए हमेशा टॉप वियर को हर साल बदल दें।

फंकी न बनें

आप अपनी क्रश को इंप्रेस करने के लिए फंकी बनकर न जाएं। फंकी लुक गलत नहीं है। मगर बहुत कम लड़कियों को ऐसे में लुक वाले लड़के पसंद आते हैं। इसलिए अगर आप पंजाबी गानों से बहुत अधिक प्रभावित होकर खुद को फंकी न बनाएं। आप ऐसे ड्रेस पहनें

जिसमें कूल दिखें। क्लासी लुक वाले लड़के अधिक अपीलिंग होते हैं। इसलिए खुद को फंकी लुक से दूर रखें। हालांकि ये बात सेलेब अप्रूव्ड भी है। एक्टर नीरज ने भी डेटिंग के लिए ड्रेसिंग टिप्स दिए जिसमें कि फंकी ड्रेस से दूर रहने की सलाह दी।

पहनें एक शानदार घड़ी

यहां पर हम एक शानदार दिखने वाली घड़ी की बात कर रहे हैं न कि, महंगी या लग्जरी घड़ी। अगर आपकी कलाई में एक शानदार दिखने वाली घड़ी है तो ये आपके फैशन को नेक्स्ट लेवल पर लेकर जाएगी। इससे आप और भी आकर्षक दिखेंगे। इसके लिए आप अपनी खातिर एक परफेक्ट घड़ी खरीदें, जो दिखने में अच्छी हो। आप अपने लिए मेटल वॉच या लेदर बेल्ट वाली घड़ी ले सकते हैं। मगर उनको अपनी ड्रेस की मैचिंग के हिसाब से पहनें।

जैसे- फॉर्मल लुक के साथ मेटल वॉच और कैजुअल लुक के लिए लेदर बेल्ट वाली घड़ी सही रहेगी। मगर ऐसे मेटल को पहनें जो दिखने में चमकीला हो। ताकि दूर से ही नजर आए।

बेथल-ब्रूक ने खेली कमाल की पारी, नेपाल को 4 रन से मिली हार

बाल-बाल बची इंग्लैंड, रोमांचक मुकाबले में नेपाल को दी मात

एजेंसी, मुंबई

जैकब बेथेल (55) और हैरी ब्रूक (53) के तूफानी अर्धशतक की बदौलत इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने जीत के साथ विश्व कप का आगाज किया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के 5वें मुकाबले में इंग्लैंड ने नेपाल को 4 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने 184 रन बनाए थे। वहीं नेपाल टीम 180 रन ही बना सकी। नेपाल ने मुकाबले में कमाल का प्रदर्शन किया और अंत तक लड़ाई लड़ी। टूर्नामेंट में एसोसिएट नेशन ने बड़ी टीमों को अच्छी टक्कर दी है। आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रनों की दरकार थी। हालांकि, सैम करन ने 5 रन देकर नेपाल की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

शुरुआत रही खराब

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को दूसरे ओवर में पहला झटका लगा। फिलिप सॉल्ट 1 रन ही बना सके। इसके बाद जोस बटलर ने जैकब बेथेल के साथ 38 रन जोड़े। 5वें ओवर में बटलर (26) कैच आउट हुए। पावरप्ले के बाद अगली गेंद पर ही इंग्लैंड को तीसरा झटका लगा। टॉम बैंटन 2 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुए।

आखिरी ओवर में बनाने थे 10 रन

गुलसन झा 1 रन ही बना सके। लोकेश बम ने अंत तक नेपाल की उम्मीदों को जिंदा रखा। हालांकि, वह आखिरी ओवर में 10 रन नहीं बना पाए। लोकेश ने 20 गेंदों पर नाबाद 39 रन जड़े। इंग्लैंड की ओर से लियाम डॉसन ने 2 विकेट चटकाए। वहीं ल्यूक वुड, जोफ्रा आर्चर, विल जैक्स और सैम करन की झोली में 1-1 विकेट आया।

जैकब ने कप्तान हैरी ब्रूक के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 71 रनों की साझेदारी हुई।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	बॉल	4s	6s
फिल कै संदीप बो मल्ला	1	2	0	0
बटलर कै आसिफ़ बो नंदन	26	17	5	0
जैकब कै लोकेश बो दीपेंद्र	55	35	4	4
बैंटन एलबीडब्ल्यू लामिछाने	2	5	0	0
ब्रूक कै मल्ला बो नंदन	53	32	4	3
सैम करन बोल्ड दीपेंद्र	2	8	0	0
विल जैक्स नाबाद	**39**	**18**	**1**	**4**
जोफ्रा आर्चर रन आउट	1	3	0	0
लियम डॉसन नाबाद	0	0	0	0

कुल: 184/7 (20)
गेंदबाजी: करन केसी (3-0-35-0), शेर मल्ला (3-0-35-1), दीपेंद्र सिंह ऐरी (3-0-23-2), नंदन यादव (3-0-25-2), संदीप लामिछाने (4-0-25-1), कुशल भुर्टेल (4-0-40-0)

नेपाल	रन	बॉल	4s	6s
कुशल कै एंड बो जैक्स	29	17	4	1
आसिफ़ कै ल्यूक बो लियम	7	9	1	0
रोहित कै फिल बो लियम	39	34	2	2
दीपेंद्र कै बैंटन बो सैम करन	44	29	6	1
आरिफ़ कै बटलर बो आर्चर	10	8	0	1
लोकेश बाम नाबाद	39	20	4	2
गुलशन झा बोल्ड ल्यूक वुड	1	2	0	0
करन केसी नाबाद	1	1	0	0

कुल: 180/6 (20)
गेंदबाजी: ल्यूक वुड (3-0-31-1), जोफ्रा आर्चर (4-0-42-1), लियम डॉसन (4-0-21-2), विल जैक्स (2-0-1-1), आदिल रशीद (3-0-42-0), सैम करन (4-0-27-1)

अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया, टिम का अर्धशतक

183 का लक्ष्य हुआ पार, सीफर्ट की पारी से न्यूजीलैंड की शानदार शुरुआत

एजेंसी, चैन्नई

सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को ग्रुप डी के मुकाबले में पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड ने इस तरह टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। अफगानिस्तान ने गुलबदिन नईब के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। न्यूजीलैंड के लिए इस मैच के हीरो सीफर्ट रहे। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत झटकों के साथ हुई। दूसरे ओवर में मुजीब उर रहमान ने लगातार दो विकेट लेकर कीवियों के बैकफुट पर ला दिया। फिन एलन एक और रचिन रवींद्र शून्य पर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद मोर्चा टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 74 रनों की साझेदारी हुई। फिलिप्स इस दौरान 25 गेंदों में 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, सीफर्ट ने 42 गेंदों पर 65 रनों की दमदार पारी खेली जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल हैं। न्यूजीलैंड को पांचवां झटका मार्क चापमैन के रूप में लगा जो 17 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए। फिर डेरिल मिचेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने न्यूजीलैंड के लिए जीत की औपचारिकता को पूरा किया। मिचेल 14 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैंटनर ने आठ गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 17 रन की पारी खेली।

अफगानिस्तान ने पावरप्ले में गंवाए दो विकेट: अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने पारी की शुरुआत की। दोनें ने टीम को सधी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। हालांकि, पावरप्ले खत्म होने से पहले लॉकी फर्ग्यूसन ने न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	बॉल	4s	6s
गुरबाज बोल्ड लॉकी फर्ग्यूसन	27	22	2	1
इब्राहिम कै ग्लेन बो फर्ग्यूसन	10	12	1	0
गुलबदीन कै टिम बो रवींद्र	63	35	3	4
सेदिकुल्लाह कै टिम बो डफी	29	24	2	0
दर्विश कै फिलिप्स बो हेनरी	20	13	1	1
अजमतुल्लाह उमरजई रन आउट	14	7	0	2
मोहम्मद नबी नाबाद	10	7	0	1

कुल: 182/6 (20)
गेंदबाजी: मैट हेनरी (4-0-27-1), जेकब डफी (3-0-30-1), लॉकी फर्ग्यूसन (4-0-40-2), जिमी नीशम (3-0-33-0), मिचेल सैंटनर (4-0-23-0), ग्लेन फिलिप्स (1-0-12-0), रचीन रवींद्र (1-0-14-1)

न्यूजीलैंड	रन	बॉल	4s	6s
टिम कै उमरजई बो नबी	**65**	**42**	**7**	**3**
फिन ऐलेन बोल्ड मुजीब	1	2	0	0
रचीन रवींद्र बोल्ड मुजीब	0	1	0	0
फिलिप्स बोल्ड राशिद खान	42	25	7	1
मार्क कै राशिद बो अजमतुल्लाह	28	17	2	1
डैरेल मिचेल नाबाद	25	14	1	1
मिचेल सैंटनर नाबाद	17	8	2	1

कुल: 183/5 (17.5)
गेंदबाजी: फजलहक फारूकी (2-0-25-0), मुजीब उर रहमान (4-0-31-2), अजमतुल्लाह (3.5-0-40-1), राशिद खान (4-0-36-1), जियाउर रहमान (3-0-33-0), मोहम्मद नबी (1-0-18-1)

टी20 विश्व कप 2026 | मैच 7
ग्रुप सी | 9 फरवरी | प्रातः 11:00 बजे
स्कॉटलैंड बनाम इटली
ईडन गार्डन्स, कोलकाता
रैंक 13 | रैंक 27
टी20 में आमने-सामने
मैच खेले: 2
स्कॉटलैंड जीता: 1 | इटली जीता: 1

पिछली हार भुलाकर जीत पर स्कॉटलैंड की नजर

कोलकाता। टी-20 विश्व कप 2026 का 7वां मुकाबला सोमवार (9 फरवरी) को स्कॉटलैंड क्रिकेट टीम और इटली क्रिकेट टीम के बीच कोलकाता में खेला जाएगा। यह ग्रुप-सी का मुकाबला होगा। स्कॉटलैंड पहला मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ 35 रनों से हार चुकी है। ऐसे में वह यह मैच हर हाल में जीतना चाहेगी। इटली पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। वह स्कॉटलैंड को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। स्कॉटलैंड और इटली के बीच पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2012 में खेला गया था। अब तक दोनों टीमों के बीच 4 मैच खेले गए हैं। 3 मैच में स्कॉटलैंड को जीत मिली है।

टी20 विश्व कप 2026 | मैच 8
ग्रुप बी | 9 फरवरी | दोपहर 3:00 बजे
जिम्बाब्वे बनाम ओमान
सिंहली स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो
रैंक 12 | रैंक 20
टी20 में आमने-सामने
पहले कभी एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेले

जिम्बाब्वे और ओमान के बीच कोलंबो में पहली भिड़ंत

कोलंबो। टी-20 विश्व कप 2026 का 8वां मुकाबला सोमवार (9 फरवरी) को जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम और ओमान क्रिकेट टीम के बीच कोलंबो में खेला जाएगा। यह ग्रुप-B का मुकाबला होगा। जिम्बाब्वे के कप्तान टी-20 क्रिकेट के स्टार खिलाड़ी सिकंदर रजा हैं। ऐसे में वह जीत के साथ आगाज करना चाहेंगे। वहीं, जतिंदर सिंह ओमान की कप्तानी संभालेंगे। दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर कई टीमों के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते हैं। ऐसे में उनके अनुभव की टीम को काफी जरूरत होगी।

टी20 विश्व कप 2026 | मैच 9
ग्रुप डी | 9 फरवरी | सायः 7:00 बजे
दक्षिण अफ्रीका बनाम कनाडा
नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद
रैंक 5 | रैंक 19
टी20 में आमने-सामने
पहले कभी एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेले

कनाडा के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा द. अफ्रीका

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका को खिताब के लिए चुनौती पेश करनी है तो सोमवार को कनाडा के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू करते हुए अपने हालिया फॉर्म से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। कनाडा के पास मैच अभ्यास की कमी है लेकिन टीम मजबूत छाप छोड़ने की कोशिश कर रही है। जून 2024 में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 फाइनल हारने के बाद से दक्षिण अफ्रीका ने 32 मैच में से सिर्फ 12 में जीत हासिल की है। पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) खिताब जीतकर ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के बाद अब उनमें विश्व खिताब जीतने का आत्मविश्वास बढ़ा है।

आयरलैंड को 20 रन से हराया, मेंडिस का अर्धशतक, तीक्षणा-हसरंगा को 3-3 विकेट

मेजबान श्रीलंका का विजयी आगाज

एजेंसी, कोलंबो

कमिंदु मेंडिस की अंत के ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी के बाद महीश तीक्ष्णा और वानिंदु हसरंगा की शानदार गेंदबाजी की वजह से श्रीलंका ने आयरलैंड को 20 रनों से हरा दिया है। इस मुकाबले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए थे और आयरिश टीम के खिलाफ लड़ने लायक स्कोर खड़ा किया था। सह-मेजबान श्रीलंका ने टूर्नामेंट का जीत के साथ आगाज किया है। आयरलैंड ने एक समय पर मेजबान टीम को मुश्किल में डाल दिया था लेकिन अंत के ओवरों में कमिंदु मेंडिस की धुंआधार बैटिंग से श्रीलंका ने 163 रनों का स्कोर खड़ा किया और आयरलैंड को जीत के लिए 164 रनों का लक्ष्य दिया। इस लक्ष्य को आयरलैंड हासिल नहीं कर सकी और उनकी टीम 143 रनों पर सिमट गई, जिसकी वजह से श्रीलंका ने मुकाबले को अपने नाम कर लिया। अपने होमग्राउंड पर बैटिंग करने के लिए उतरी श्रीलंका टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए। लंका की टीम एक समय पर मुश्किल में दिखाई दे रही थी और उन्होंने 86 रनों पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ऐसा लग रहा था कि वे 150 रनों के आंकड़ों को भी पार नहीं कर सकेंगे और आयरलैंड की टीम मुकाबले में आगे चल रही थी लेकिन कमिंदु मेंडिस ने आयरिश गेंदबाजों के सपने पर पानी फेर दिया।

कमिंदु ने 19 गेंदों पर 44 रनों की पारी खेली

कमिंदु ने अंत में तेज तर्रार बैटिंग करते हुए 19 गेंदों पर 44 रनों की पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी कमाल कर दिखाया और उन्होंने 43 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से नाबाद 56 रनों की पारी खेली। इस तरह से श्रीलंका ने 163 रनों का स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड के लिए बैरी मकार्थी और जॉर्ज डॉकरल ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरिश टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और उन्होंने 26 रनों पर पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद श्रीलंका ने रॉस आदिर को आउट कर आयरलैंड को दूसरा झटका दे दिया। आयरलैंड के लिए सबसे अधिक हैरी टेक्टर ने 34 गेंदों पर 40 रन बनाए। तो वहीं श्रीलंका के लिए स्पिनर महीश तीक्ष्णा और वानिंदु हसरंगा ने कमाल की गेंदबाजी की। तीक्ष्णा ने 4 ओवर में 23 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए। हसरंगा ने भी अपने 4 ओवर के स्पेल में 23 रन खर्च करते हुए 3 विकेट चटकाए और इसी के साथ श्रीलंका की जीत सुनिश्चित की।

बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल

लवलीना और अरुंधति की अगुवाई में भारत को 9 स्वर्ण

एजेंसी, ला नुसिया

भारत ने आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 को बहुत सफल तरीके से खत्म किया, जिसमें ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन और पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन अरुंधति चौधरी ने ला नुसिया, एलिकांटे में शानदार फिनिश करते हुए नौ गोल्ड मेडल जीते। एक खास उपलब्धि यह रही कि शनिवार को भारत ने सात एलीट विमेंस फाइनल में हिस्सा लिया – जिसमें 54किग्रा डिवीजन में एक ऑल-इंडियन टाइटल क्लैश भी शामिल था – और हर एक में गोल्ड मेडल जीता। ला नुसिया, एलिकांटे में हुए बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा बॉक्सर्स ने हिस्सा लिया, जिससे सीजन की शुरुआत में ही एक हाई-क्वालिटी इंटरनेशनल टेस्ट मिला। भारत नौ गोल्ड, तीन सिल्वर और सात ब्रॉन्ज मेडल के साथ कॉम्पिटिशन का सबसे सफल देश रहा। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ‘बॉक्सम एलीट ने ठीक वैसा ही मौका दिया जैसा हम सीजन के इस स्टेज पर ढूंढ रहे थे, जिसमें मजबूत इंटरनेशनल मुकाबले, अलग-अलग वेट कैटेगरी में गहराई और हाई-प्रेशर वाले मुकाबले शामिल थे।

स्पेन में परफॉर्मेंस, खासकर फाइनल में कन्वर्ज़न रेट, हमारे प्रोग्राम की प्रोग्रेस को दिखाता है। आने वाला साल मुश्किल होने के साथ, यह टूर्नामेंट हमारे बॉक्सर्स को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक अहम कदम रहा है। पूरे दल को शानदार कैंपेन के लिए बधाई। भारत की महिलाओं ने आखिरी दिन बेंचमार्क सेट किया। मंजू रानी (48किग्रा) और नीतू (51) ने स्पेन की मार्टा लोपेज़ और नोएलिया गुटिरेज़ पर एकमत से ज़बरदस्त जीत के साथ शुरुआत की, इससे पहले पूनम (54) ने कड़े मुकाबले वाले ऑल-इंडियन फाइनल में हमवतन प्रीति को हराया।

दिल्ली में भारतीय टीम से जुड़ेंगे वॉशिंगटन सुंदर: सूर्यकुमार यादव

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि वॉशिंगटन सुंदर 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले अगले टी-20 विश्व कप मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। वॉशिंगटन साइड स्ट्रेन के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच भी नहीं खेला था। उन्होंने नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर दी थी, लेकिन टीम प्रबंधन ने चार फरवरी को हुए अभ्यास मैच में उन्हें नहीं खिलाने का निर्णय किया। जसप्रीत बुमराह भी अभ्यास मैच और शनिवार को अमेरिका के खिलाफ हुए मैच में नहीं खेले। अमेरिका के खिलाफ उम्मीद से अधिक कड़े मैच के बाद सूर्यकुमार ने दोनों खिलाड़ियों पर बात की। उन्होंने कहा, “वॉशिंगटन सुंदर हमारे साथ दिल्ली में जुड़ रहे हैं। वह ठीक हैं और सब कुछ सही है।” मौजूदा हालात में वॉशिंगटन, स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल के बैक-अप हैं। अक्षर पटेल ने अमेरिका के खिलाफ 162 रन के बचाव में 24 रन देकर दो विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई थी। अक्षर और वरुण चक्रवर्ती के अलावा जब तक तीसरे स्पिनर की जरूरत न हो, फिट होने के बावजूद वॉशिंगटन एकादश से बाहर रह सकते हैं।

बीसीपीएल कॉर्पोरेट पेशेवरों के सपनों को देगा उड़ान : गांगुली

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय दिग्गज क्रिकेटर सौरव गांगुली और जहीर खान ने रविवार को भारतीय कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग (बीसीपीएल) सीजन 4 के ट्रॉफी और जर्सी अनावरण समारोह में शामिल हुए। लीग अपने अब तक के सफर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्वरूप अपनाने जा रही है, जिसमें दस टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सौरव गांगुली ने कहा कि जब मेरी मुलाकात बीसीपीएल के चेयरमैन सौरभ झा से हुई, तो मैंने उनसे कहा कि हम सभी की शुरुआत कुछ इसी तरह से हुई थी। हमारे शुरुआती दिनों में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसी कोई व्यवस्था नहीं थी। मैंने टाटा स्टील के लिए काम किया और काफी कॉर्पोरेट क्रिकेट खेला, जिससे मुझे जरूरी एक्सपोजर मिला और मैं चयनकर्ताओं की नजर में आया। गांगुली ने कहा कि बीसीपीएल एक बेहतरीन मंच है, क्योंकि देशभर में क्रिकेट को जुनून के साथ देखा जाता है और अनगिनत लोग प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलने का सपना देखते हैं। भारतीय कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग प्रतिभाशाली कॉर्पोरेट पेशेवरों के लिए दरवाजे खोलेगा और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने तथा क्रिकेट में करियर बनाने का मार्ग प्रदान करेगा।

रणजी ट्रॉफी : झारखंड की पूरी टीम 41.1 ओवर में 130 रन पर सिमट गई

झारखंड को छह रनों से हराकर उत्तराखंड सेमीफाइनल में

एजेंसी, जमशेदपुर

मयंक मिश्रा (तीन और पांच विकेट) और अभय नेगी (46 रन/चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत उत्तराखंड ने रविवार को झारखंड को पारी और छह रनों से हराकर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां उत्तराखंड ने पहले क्वार्टरफाइनल में कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शाश्वत डंगवाल (14) के रूप में उत्तराखंड का छठा विकेट गिरा। इसे बाद सौरभ शेखर ने जगदीश सुचित (70) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। मयंक मिश्रा (13) और आदित्य रावत (एक) रन बनाकर आउट हुये। 123वें ओवर में जतिन पांडे ने अभय नेगी (46) को आउटकर 371 के स्कोर पर उत्तराखंड की पहली पारी का अंत कर दिया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी झारखंड की पूरी टीम उत्तराखंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 41.1 ओवर में 130 रन पर सिमट गई।

कर्नाटक को सेमीफाइनल के लिए चाहिए 212 रन

मुंबई। केएल राहुल (नाबाद 60) और कप्तान देवदत्त पड़िक्कल (39) के शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन की बदौलत कर्नाटक ने मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के चौथे क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन रविवार को स्टंप्स के समय दो विकेट पर 113 रन बना लिये है और उसे अभी जीत के लिए 212 रनों की जरुरत हैं। आज यहां मुंबई ने कल के दो विकेट पर 189 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में मुंबई का तीसरा विकेट मुशीर खान (49) के रूप में गिरा। इसके बाद विधवत कावेरप्पा ने आकाश आनंद को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। आकाश आनंद ने 169 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 70 रन बनाये। सिद्धेश लाड (25), सूर्यांश शेडगे (25), शम्स मुलानी (नौ), कप्तान शार्दुल ठाकुर (एक) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद तनुष कोटियान और तुषार देशपांडे की जोड़ी ने क्रीज पर पैर जमा लिये और दोनों बल्लेबाजों के बीच नौवें विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी हुई।

मनीषा ने जागरेब ओपन में जीता स्वर्ण पदक, अंतिम ने कांस्य

जागरेब (क्रोएशिया)। भारत की मनीषा भानवाला ने जागरेब ओपन 2026 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण जीता, जबकि अंतिम पंघाल ने 53 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। एशियाई चैंपियन मनीषा भानवाला ने क्वालिफायर में स्वीडन की टिंड्रा डेलमिर को 9-4 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिसके बाद क्वार्टर-फाइनल में कजाकिस्तान की निलुफर रैमोवा के खिलाफ 14-4 से शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद भारतीय पहलवान ने जर्मनी की एमोरी एंड्रिच को 11-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

मनीषा भानवाला

शिव रतन सिंह की घातक गेंदबाज़ी से सीआईएसएफ डिफेन्स की शानदार जीत

फ्रेंड्स 11 को 36 रनो से दी मात

खेल संवाददाता, भोपाल

सीआईएसएफ डिफ़ेंस और फ्रेंड्स 11 के बीच आज एक महत्वपूर्ण मैच खेला गया. जिसमें सीआईएसएफ की ओर से सचिन कुमार (52 रन) और हनुमान (59 रन) दोनों के अर्धशतकीय पारी के बदोलत सीआईएसएफ ने निर्धारित 20 ओवरों के माचो में 5 विकेट के नुकसान पर 232 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जबकि उनकी ओर से शिवरतन सिंह ने 31 रन और प्रवीण शर्मा ने 32 रनों की शानदार पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए अमनदीप ने 2, रविप्रकाश, कमल सोलंकी और मनोजीत ने 1-1 सफलता हासिल की। जबाव में फ्रेंड्स 11 की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए, उनकी ओर से डॉक्टर माही ने 44 रन रवि प्रकाश (आर.पी.) ने 35 रन जबकि अमनदीप ने 29 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए शिवरतन सिंह ने 4 विकेट लिए, जबकि संदीप तिवारी और ओपी गोस्वामी दो-दो विकेट हासिल किया प्रतियोगिता का मैन ऑफ द मैच शिवरतन सिंह मीणा को दिया गया।

Player of the match

मध्यप्रदेश पुलिस ने चोरी एवं रेलवे संपत्ति चुराने वाले आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अपने ध्येय वाक्य देशभक्ति-जनसेवा के अनुरूप प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं नागरिकों की आस्था व संपत्ति की सुरक्षा हेतु सतत् एवं ठोस कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों में चोरी की गंभीर घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए पुलिस ने लगभग 37 लाख 40 हजार रूपए से अधिक मूल्य का चोरी की सामग्री जप्त की है। थाना देवेंद्रनगर क्षेत्र में नागौद-खजुराहो रेलवे प्रोजेक्ट के तहत ग्राम फुलवारी स्थित रेलवे स्टेशन भवन से केबल, वायर, पीवीसी पाइप एवं अन्य इलेक्ट्रिकल सामग्री की चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 20 लाख रूपए की संपत्ति जप्त की है। जिले के थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीन अलग-अलग चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की बोलेरो पिकअप वाहन, मंदिर से चोरी किया गया मुकुट एवं छत्र तथा चोरी किया गया बिजली तार सहित लगभग 9 लाख 20 हजार रूपए की सामग्री जब्त की है।

प्राचार्यों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ विषय प्रेक्टिकल भी कराने होंगे

भोपाल (नगर संवाददाता)

शासन द्वारा कोई कार्यक्रम या अवकाश घोषित किया जाता है तब भी परीक्षाएं यथावत होंगी

दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं के साथ प्राचार्यों को सब्जेक्ट प्रेक्टिकल कराने होंगे। जिस तिथि से बोर्ड एग्जाम है, उसी तारीख से माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रायोगिक परीक्षाएं भी निर्धारित की हैं। इसके लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। निर्देश में कहा गया है कि समय पर शिक्षकों को यह कार्य करना होगा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल का कहना है कि नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं उनके विद्यालय एवं स्वाध्यायी छात्रों के प्रेक्टिकल उन्हें आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर कराए जाएंगे। 10 फरवरी से जिस दिन बारहवीं अंग्रेजी विषय का प्रश्न पत्र है। उसी दिन से प्रेक्टिकल होंगे। 10 फरवरी से 10 मार्च के मध्य प्रेक्टिकल होंगे। इनकी तिथियां तथा समय ज्ञात करने के लिए प्राचार्य एवं केन्द्राध्यक्षों से विद्यार्थियों को संपर्क स्थापित करना होगा। आवश्यकता पड़ने पर प्रायोगिक परीक्षाएं अवकाश के दिनों में भी की जा सकेंगी।

विषय परीक्षाओं के लिए सख्त निर्देश

मुख्य परीक्षा के लिए मंडल ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड की अतिरिक्त सचिव का कहना है कि एग्जाम के लिए समस्त विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रात: 8.30 बजे तक उपस्थिति होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पूर्व के पश्चात किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यह भी सार्वजनिक किया गया है कि परीक्षाकाल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है तो यथावत कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा कराई जाएंगी। परीक्ष प्रारंभ होने के दस मिनट पूर्व विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका एवं पांच मिनट पहले प्रश्न पत्र दिए जाएंगे। मंडल का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर तिथि एवं समय में कभी भी बिना किसी सूचना के परिवर्तन भी किया जा सकता है।

मंडल की हेल्पलाइन में डेढ़ हजार कॉल

अगले दो दिन बाद होने जा रही दसवी एवं बारहवीं की परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों की चिंता साफ तौर पर देखी जा रही हैं। रविवार को बोर्ड की हेल्पलाइन में प्रदेश से 1600 विद्यार्थियों द्वारा कॉल किए गए। हेल्पलाइन में काउंसलरों का कहना है कि विद्यार्थियों की सबसे ज्यादा चिंता विषय तैयारियों को लेकर है। उनके बीच शंका-कुशंकाओं के भाव चल रहे हैं। विद्यार्थी यही प्रश्न कर रहे हैं कि जो पढ़ा है। वही सामग्री प्रश्न पत्र में आएंगी कि या फिर बाहर से कुछ प्रश्न दिए जा सकते हैं। अनेक विद्यार्थी यह प्रश्न भी कर रहे हैं कि जो पढ़ते हैं वह भूल क्यों रहा है। उन्हें समझाइस दी जा रही है कि वह अपनी अध्ययन तैयारियों पर एकाग्रचित रहें। उनके साथ परीक्षाओं में सब बेहतर होगा। विद्यार्थी पॉजीटिव सोच के साथ काम करें।

केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने जानी भविष्य की परिवहन प्रणाली

जिज्ञासा के साथ किया केवी स्टेशन से एम्स स्टेशन तक का सफर

भोपाल (नगर संवाददाता)

केंद्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राएं शनिवार भविष्य की परिवहन प्रणाली से अवगत हुए। शैक्षणिक भ्रमण के साथ इन्होंने केवी स्टेशन से एम्स स्टेशन तक का सफर किया। इस दौरान इन बच्चों को सार्वजनिक परिवहन के आधुनिक स्वरूप भोपाल मेट्रो से परिचय कराते हुए तकनीकी बारीकियों को समझाया गया।

यात्रा की शुरुआत विशेष रूप से केंद्रीय विद्यालय मेट्रो स्टेशन से हुई, जहाँ स्कूली छात्र-छात्राओं के चेहरे पर उत्साह साफ देखा जा सकता था। यहाँ से एम्स स्टेशन तक के सफर के दौरान छात्रों को मेट्रो के संचालन, सुरक्षा मानकों और यात्री सुविधाओं की जानकारी दी गई।

मेट्रो अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि कैसे यह प्रणाली सड़क पर लगने वाले जाम को कम करने और समय बचाने में मील का पत्थर साबित होगी।

बच्चों ने यह भी देखा

छात्रों को समझाया गया कि मेट्रो किस तरह कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक है। स्मार्ट कार्ड का उपयोग, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन गेट और स्टेशनों पर उपलब्ध आधुनिक सुरक्षा उपकरणों ने बच्चों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

भ्रमण का यह था उद्देश्य

- भावी पीढ़ी को ग्रीन मोबिलिटी (पर्यावरण अनुकूल परिवहन) के प्रति जागरूक करना
- सार्वजनिक परिवहन के प्रति विश्वास जगाना

मध्यप्रदेश वित्त निगम द्वारा भोपाल में केम्प का आयोजन

भोपाल। मध्यप्रदेश वित्त निगम भोपाल झोन के समक्ष समस्त प्रकरणों को एक मुश्त समझौता योजना के अन्तर्गत निपटारे के लिए केम्प का आयोजन किया जा रहा है। द्वितीय तल, प्लेटिनम प्लाजा, माता मंदिर, भोपाल स्थित झोनल कार्यालय में दिनांक 17 एवं 18 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित किया जायेगा। म.प्र. वित्त निगम की एम.डी. श्रीमती वंदना वैद्य ने बताया है कि समस्त ऋण ग्रहिताओं को सूचित किया गया है कि कैंप में उपस्थित होकर निगम की एक मुश्त समझौता योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

एनएमओपीएस के महासचिव बने जायसवाल

भोपाल (नगर संवाददाता)

एनएमओपीएस यानी नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन बहाली स्कीम जिला इकाई द्वारा आरबी जायसवाल को संगठन का महामंत्री बनाया गया है। रविवार को आयोजित बैठक में संरक्षक श्याम सुंदर शर्मा व जिला अध्यक्ष सुरसरि प्रसाद पटेल द्वारा दायित्व सौंपा गया। इस दौरान पुरानी पेंशन बहाली, पारिवारिक पेंशन, वरिष्ठता, नियमितीकरण, सातवां वेतनमान, मेडिकल सुविधा और अन्य शासकीय कर्मचारियों के समान अवकाश की पात्रता जैसी मांगों पर विमर्श करते हुए आंदोलन की रणनीति पर विचार किया गया।

विधायक सबनानी ने हितग्राहियों को वितरित किए बीपीएल कार्ड

भोपाल (नगर संवाददाता)

रविवार को दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने 45 बंगले स्थित अपने निवास पर बीपीएल कार्ड का वितरण किया। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के पंचशील मंडल के अंतर्गत रहने वाले 22 हितग्राहियों को बीपीएल कार्ड का वितरण किया गया, हितग्राहियों के साथ मंडल अध्यक्ष प्रियेश उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सबनानी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंच सके और उन्हें इसका लाभ मिले इसके लिए भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रयासरत रहता है, और प्रत्येक हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देकर इसका लाभ दिलाने में उनकी मदद करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अनेकों ऐसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और उनकी सुविधाओं का विस्तार हुआ है।

पेसा कानून जनजातीय स्वाभिमान अधिकारों का संवैधानिक संकल्प

भोपाल, प्रसं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि पेसा अधिनियम मात्र कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के स्वाभिमान, परंपराओं और अधिकारों की संवैधानिक पुनर्स्थापना का सशक्त माध्यम है। जल-जंगल-जमीन अब सिर्फ नारा नहीं, शासन की नीतियों और जमीनी क्रियान्वयन के माध्यम से ठोस वास्तविकता बन चुका है।

मप्र पेसा क्रियान्वयन में देश में द्वितीय स्थान पर

पटेल रविवार को बरखेड़ी कलां स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रशिक्षण सह कार्यशाला के समापन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के क्रियान्वयन में मप्र आज देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम में हुए राष्ट्रीय पेसा महोत्सव में प्रदेश के जनजातीय खिलाड़ियों ने स्वर्ण तथा रजत पदक अर्जित किया जो राज्य के लिए गौरव का विषय है।

दिए निर्देश: पटेल ने कहा कि योजनाओं की सफलता फाइलों की गति से नहीं, धरातली परिवर्तन से आंकी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ग्राम सभाओं को प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त रखें और जिला एवं विकासखंड समन्वयक ग्राम सभाओं को जागरूक व सशक्त बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं।

न्याय केवल न्यायालय कक्ष में ही हो, मीडिया ट्रायल से निष्पक्ष सुनवाई पर पड़ता है असर

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों का दो दिवसीय सम्मेलन संपन्न

न्यायपालिका को आधुनिक बनाने पर रहा फोकस, लंबित मामलों और मीडिया ट्रायल पर गंभीर मंथन

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल स्थित नेशनल ज्युडिशियल एकेडमी में आयोजित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों का दो दिवसीय सम्मेलन का रविवार को समापन हो गया। सम्मेलन का उद्देश्य एकीकृत, दक्ष और जन केन्द्रित न्यायपालिका के निर्माण की दिशा में ठोस कदम तय करना रहा। यह सम्मेलन भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

सम्मेलन में मीडिया ट्रायल के बढ़ते असर पर गंभीर चिंता जताई गई। मुख्य न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि न्याय केवल अदालत के भीतर ही होना चाहिए। मीडिया ट्रायल से आरोपी की निर्दोषता के अधिकार और निष्पक्ष सुनवाई पर असर पड़ता है, जो न्याय व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। कोर्ट में लंबित प्रकरणों की समस्या पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान प्रकरणों के जल्द निपटारे के लिए एक रोडमैप तैयार करने पर सहमति बनी। तय किया गया कि प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाएगा और सात वर्ष तक की सजा वाले अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि आम लोगों को जल्दी न्याय मिल सके। सम्मेलन में न्यायिक प्रशासन को मजबूत बनाने और राष्ट्रीय न्यायिक नीति के निर्माण पर भी विचार किया गया। इस नीति का उद्देश्य न्याय प्रणाली को पारंपरिक ढांचे से निकालकर आधुनिक, रणनीतिक और डेटा-आधारित बनाना है, ताकि देशभर के उच्च न्यायालय नई कानूनी चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकें और न्यायपालिका की स्वतंत्रता व एकरूपता बनी रहे।

अदालतों के अनावश्यक बोझ को कम करने पर जोर : सम्मेलन में राज्य सरकारों द्वारा दायर की जाने वाली पुरानी, अनावश्यक और बार-बार की जाने वाली याचिकाओं पर भी चर्चा हुई। इस बात पर जोर दिया गया कि राज्य को बार-बार वादी बनने से रोका जाए, ताकि अदालतों पर अनावश्यक बोझ कम हो सके। इसके साथ ही डिजिटल तकनीक और क्षेत्रीय भाषाओं के उपयोग को न्यायिक सुधारों का अहम हिस्सा माना गया। इससे न्याय प्रणाली को आम नागरिकों के लिए ज्यादा सरल और सुलभ बनाया जा सकेगा।

दिल्ली के बाद दूसरा शहर, जहां एक साथ मुख्य न्यायाधीश

इस सम्मेलन की खास बात यह रही कि दिल्ली के बाद भोपाल दूसरा ऐसा शहर बना, जहां भारत के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के 9 न्यायाधीश और देश के सभी 25 हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एक साथ मौजूद रहे। सम्मेलन के पहले दिन न्यायपालिका में तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर चर्चा हुई। इस दौरान कहा गया कि एआई का उपयोग मुकदमों की प्रक्रिया तेज करने और लंबित मामलों को कम करने में किया जा सकता है, लेकिन फैसले पूरी तरह न्यायाधीशों के विवेक पर ही आधारित होने चाहिए। निर्णय प्रक्रिया में एआई की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

नई श्रमिक संहिताओं पर कार्यशाला आज

भोपाल (नगर संवाददाता)

श्रम विभाग की ओर से 9 फरवरी को बंधक श्रम उन्मूलन दिवस पर राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सुबह 10 बजे कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। कार्यशाला में राज्य स्तरीय एक्शन प्लान का विमोचन भी होगा। बंधक श्रम कराने वालों के विरुद्ध मप्र का श्रम विभाग 9 फरवरी से विशेष अभियान भी शुरू करने जा रहा है। कार्यशाला में बाल एवं कुमार श्रम अधिनियम, 1986 के तहत राज्य एक्शन प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन, बंधुआ श्रम (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के क्रियान्वयन के 50 वर्ष पूर्ण होने के पर अधिनियम की उपलब्धियों एवं वर्तमान चुनौतियों, नई चार श्रम संहिताओं आदि पर चर्चा होगी।

पटरी पर उतरे यात्री, यात्रियों में मचा हड़कंप

भोपाल एक्सप्रेस में चूहा जलने से बजा आग का अलार्म

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल एक्सप्रेस के बी-2 कोच में अचानक आग का अलार्म बजते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद ट्रेन में अनाउंसमेंट हुआ कि कोच में आग लगी है। घटना रात करीब 10:45 बजे की है। तब ट्रेन चेतक ब्रिज के पास थी। अलार्म और अनाउंसमेंट के बाद घबराए यात्री ट्रेन से उतरकर सीधे पटरी पर आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कोच के भीतर कुछ जलने की तेज स्मेल आ रही थी। अनाउंसमेंट में किचन एरिया में आग लगने की बात कही गई। यात्रियों से तुरंत ट्रेन खाली करने को कहा गया। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर एक मालगाड़ी के आने की सूचना मिली, जिससे स्थिति और ज्यादा गंभीर हो गई। यात्री खुले ट्रैक पर खड़े थे और किसी भी तरह की चूक बड़ा हादसा बन सकती थी।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनी, जब यात्रियों के पटरी पर रहते हुए ही भोपाल एक्सप्रेस को बिना किसी स्पष्ट समन्वय के आगे बढ़ा दिया गया। अचानक ट्रेन चलने से यात्री घबराकर जल्दबाजी में दोबारा चढ़ने लगे। कई यात्री गिरते-पड़ते बचे। यात्रियों का कहना है कि अगर ट्रेन कुछ सेकंड पहले चलती या मालगाड़ी नजदीक आ जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

आधे घंटे रूकी ट्रेन

भोपाल स्टेशन पहुंचने पर यात्रियों के हंगामे के बाद ट्रेन को करीब आधे घंटे तक रोका गया। यहां एक कोच अटेंडेंट ने यात्रियों को बताया कि कोच की वायरिंग में फंसा एक चूहा जल गया था, जिससे धुआं और जलने की बदबू फैली और आग का अलार्म सक्रिय हो गया। यात्रियों का आरोप है कि इस जानकारी के बावजूद मौके पर न तो तत्काल तकनीकी जांच की गई और न ही स्थिति को लेकर स्पष्ट और जिम्मेदार अनाउंसमेंट हुआ। घटना के दौरान कई यात्रियों ने फोटो और वीडियो भी रिकॉर्ड किए हैं।

श्रद्धसुमन अर्पित

भोपाल। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बैतूल में राजा भोज की जयंती पर क्षत्रिय-पवार समाज संगठन द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा में सहभागिता कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार समेत पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक बंधु एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)